Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 224 | सोमवार, 24 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

रक्षाबंधन से पहले मुख्यमंत्री ने 3.54 लाख 'रसोइया बहनों' को दिए चार बड़े उपहार

मानदेय में वृद्धि, परिधान की राशि अब दोगुनी, 5 लाख तक मुफ्त कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा, दो लाख का एक्सीडेंट्ल बीमा कवर घोषित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाई का दायित्व निभाते हुए रक्षाबंधन से पहले ही 3.54 लाख रसोइया बहनों को चार बड़े उपहार दिए। रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सीएम ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि रसोइया माताओं-बहनों को अब 2 के बजाय 3 हजार मानदेय मिलेगा, घटना-दुर्घटना होने पर रसोइयों व परिवार को भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से दो लाख रुपये की सहायता और प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक मुफ्त कैशलेस सुविधा मिलेगी। इसके अलावा परिधान के लिए मिलने वाली राशि भी दोगुनी यानी, 500 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये कर दी गई है।

आप बचपन स्वस्थ बनाएं, आपके स्वास्थ्य का जिम्मा हमारा

सीएम ने कहा कि रसोई केवल बच्चे का पेट भरने वाला भोजन नहीं, बल्कि बचपन को स्वस्थ व समर्थ बनाने का अभियान भी है। आप देश के बचपन को स्वस्थ बनाते हैं, लेकिन आपके स्वास्थ्य की चिंता नहीं होती थी। पीएम मोदी जी ने आपको धुएं से मुक्ति दिलाई।

प्रदेश सरकार ने भी सुनिश्चित किया कि रसोइया या उसके परिवार का कोई व्यक्ति अस्वस्थ होता है तो वह सरकारी अस्पताल समेत किसी भी इन्पैनल्ड अस्पताल में इलाज करा सकता है। सरकार प्रतिवर्ष इसके लिए पांच लाख रुपये का बीमा उपलब्ध कराएगी।

हम 12 बजे सोकर नहीं उठते, बल्कि 18 घंटे काम करते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोग 18 घंटे काम करते हैं। एक-एक योजना और विभागों के कार्यों को आगे बढ़ाने में योगदान देते हैं, तब परिणाम आते हैं। कोई बबुआ की तरह 12 बजे सोकर उठता, 2 बजे तैयार होता, 5 बजे जिम जाता और 7 बजे से महफिल जमा लेता, तो काम कब करता। रसोइया माताएं-बहनें, आंगनबाड़ी व आशा वर्कर, गांव के चौकीदार, होमगार्ड, पीआरडी जवान, ये सब प्रदेश को बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं।

सरकार इनके सम्मानजनक जीवन और इनके मानदेय में वृद्धि के लिए कार्यरत है। पिछले दिनों सरकार ने शिक्षामित्रों, अनुदेशकों का मानदेय बढ़ाया। शिक्षकों के साथ ही उन्हें भी कैशलेस स्वास्थ्य सुरक्षा व दुर्घटना बीमा कवर उपलब्ध कराया गया है।

बच्चे बढ़ेंगे तो भारत बढ़ेगा

सीएम ने कहा कि 2017 के पहले बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालय वीरान/उजाड़ दिखते थे। ऑपरेशन कायाकल्प के जरिए 19 पैरामीटर्स तय किए थे। विद्यालय में फर्श, बालक-बालिकाओं के लिए अलग टॉयलेट, किचन, पेयजल, डिजिटल लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय आदि बन गए हैं।

बतौर सांसद मैंने देखा है कि पहले बच्चों को कुछ पता नहीं होता था, परंतु अब बच्चे को अक्षर ज्ञान, वाक्य विन्यास, गणित, अंग्रेजी, विज्ञान की जानकारी है। वे आगे बढ़ रहे हैं, बच्चे बढ़ेंगे तो देश बढ़ेगा और हर भारतवासी का सम्मान बढ़ेगा।

वर्ष के अंत तक आएगा मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय मॉडल

सीएम ने कहा कि इस वर्ष के अंत तक मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय का मॉडल भी आने वाला है।

डबल इंजन की भाजपा सरकार ने अंतिम पायदान पर बैठे श्रमिकों के बच्चों के बारे में भी सोचा। 18 मंडलों में 18 अटल आवासीय विद्यालय बनाए गए, जहां 18 हजार बच्चे अध्ययनरत हैं।

सरकार सभी समस्याओं का करेगी समाधान

सीएम ने कहा कि 9 साल पहले रसोइयों का मानदेय हजार रुपये था, वह भी कभी मिलता था तो कभी नहीं मिलता था। गरीबों के हक पर डकैती डालने वाले सपाइयों व कांग्रेसियों की लूट को रोकने के लिए पीएम मोदी जी ने 55 करोड़ लोगों के जनधन अकाउंट खुलवाए। अब डीबीटी के माध्यम से सीधे खाते में राशि जाती है। रसोइयों के लिए अभी तक सामाजिक सुरक्षा की गारंटी नहीं थी। कोई घटना-दुर्घटना, आपदा, पूर्ण दिव्यांग या मृत्यु होने पर परिवार असहाय हो जाता था। बेसिक शिक्षा परिषद ने भारतीय स्टेट बैंक से बातचीत कर तय कराया कि अकाउंट एसबीआई में खुलेगा, जिसमें रसोइयों का पूरा मानदेय जाएगा। यदि कोई अप्रिय स्थिति हुई तो बैंक तत्काल दो लाख रुपये की उपलब्ध कराएगा।

रसोई रहे साफ-सुथरी, बच्चों को दें पौष्टिक आहार

सीएम ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद के 1.42 लाख विद्यालयों में डेढ़ करोड़ बच्चे अध्ययनरत हैं। बच्चों को अलग-अलग दिन अलग-अलग प्रकार का आहार देना है। विद्यालय में रसोई साफ-सुथरी रहे, बच्चों को समय पर स्वच्छता के साथ साप्ताहिक मेन्यू के अनुरूप पौष्टिक आहार उपलब्ध कराएं। इससे आपका सम्मान बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने रसोइयों को सचेत करते हुए कहा कि इसमें लापरवाही नहीं होनी चाहिए। फूड प्वॉइजनिंग भी नहीं होनी चाहिए। दुश्मन ऐसा काम न कर पाए, जिससे आप संदेह के घेरे में आएं। छिपकली व कीड़ा खाने में न गिरे, यह जीवन के साथ खिलवाड़ होगा। रसोई बनाते समय किचन में बाहरी व्यक्ति का प्रवेश नहीं होना चाहिए।

अभेद्य होगी चिकन नेक की सुरक्षा व्यवस्था

भारत में त्रिकोणीय सुरक्षा ढांचा तैयार करने की पहल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार रणनीतिक रूप से बेहद अहम सिलीगुड़ी कॉरिडोर यानी चिकन नेक की सुरक्षा व्यवस्था अभेद्य बना रही है। इसके लिए एक त्रिकोणीय सुरक्षा ढांचा तैयार किया जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल और केंद्रीय सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियो के साथ उच्च स्तरीय बैठक में इस त्रिकोणीय सुरक्षा ढांचा पर विस्तार से चर्चा की। केंद्रीय गृह मंत्री के पश्चिम बंगाल के तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन शनिवार को यह बैठक सिलीगुड़ी के बाहरी इलाके सुकना में आयोजित की गई थी। बैठक में मुख्य रूप से सिलीगुड़ी कॉरिडोर को निशाना बनाने की आशंकाओं तथा उत्तर बंगाल को शेष देश से अलग करने के प्रयासों से निपटने की रणनीति पर भी मंथन हुआ। सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर निगरानी व्यवस्था मजबूत करने और संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, खुफिया तंत्र, सीमा सुरक्षा से जुड़ी एजेंसियों और राज्य के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। गृह मंत्री शाह ने सुकना में गोरखा नेताओं और बंगाल सरकार के अधिकारियों के साथ भी अहम बैठक की। इसके बाद गोरखा मुद्दे पर अंतिम समझौते का मसौदा तैयार करने के लिए बीएसएफ के पूर्व प्रमुख पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक समिति गठित की। समिति पहाड़, तराई और डुआर्स का दौरा कर राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और आम लोगों की मांगें सुनेगी और अपनी रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को देगी।

'निवेशकों को चुंबक की तरह खींच रहा भारत का स्पेस सेक्टर'

स्टार्टअप्स के सीईओ से बोले पीएम, जेन जी को बताया शानदार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

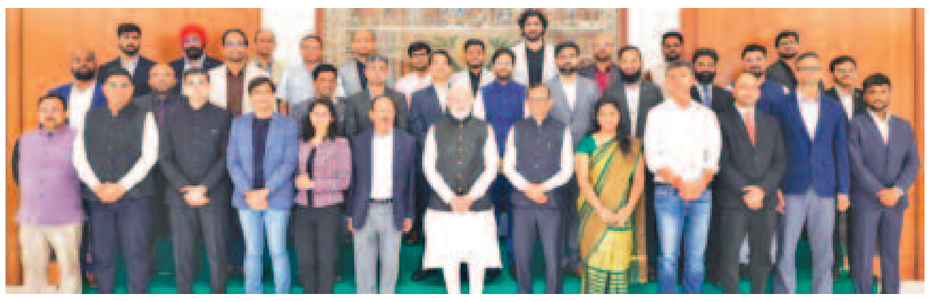

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सेवा तीर्थ में अंतरिक्ष क्षेत्र के 20 स्टार्टअप्स के सीईओ और संस्थापकों से मुलाकात की। इस दौरान देश के तेजी से उभरते निजी अंतरिक्ष क्षेत्र, नई तकनीकों, नवाचार और भारत को वैश्विक अंतरिक्ष नेतृत्व की दिशा में आगे ले जाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। बैठक में स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस, पिक्सल, ध्रुव स्पेस, गैलेक्सीआई, पियरसाइट, बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस, डिगंतारा, सैटश्योर समेत अंतरिक्ष क्षेत्र में काम कर रहे 20 स्टार्टअप्स के प्रमुख शामिल हुए। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब चंद्रयान-3 की सफलता और निजी कंपनियों की बढ़ती भागीदारी ने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है।

अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों की बढ़ती ताकत

प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई बातचीत में उन कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जो रॉकेट निर्माण, सैटेलाइट, पृथ्वी अवलोकन, अंतरिक्ष डेटा, अंतरिक्ष स्थितिजन्य जागरूकता और अन्य उन्नत तकनीकों पर काम कर रही हैं। इन स्टार्टअप्स की बढ़ती गतिविधियां इस बात का संकेत हैं कि भारत का निजी अंतरिक्ष उद्योग अब केवल सहायक भूमिका तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतरिक्ष मिशनों और तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण भागीदार बन रहा है।

ग्लोबल स्पेस लीडरशिप की दिशा में भारत

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2026 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र की वैश्विक बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत का निजी अंतरिक्ष क्षेत्र दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहा है और अब देश का स्पेस सेक्टर वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुका है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में अंतरिक्ष क्षेत्र की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

नई पीढ़ी की तकनीक पर फोकस

प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं और नई पीढ़ी के वैज्ञानिकों एवं इंजीनियरों की क्षमता की भी सराहना की है। उन्होंने कहा था कि आज भारत के युवा प्रोपल्शन सिस्टम, कंपोजिट मटेरियल, रॉकेट स्टेज और सैटेलाइट प्लेटफॉर्म जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर काम कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में हो रहा नवाचार भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को नई दिशा दे रहा है।

चंद्रयान-3 की सफलता से बढ़ा आत्मविश्वास

भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र की वैश्विक पहचान को मजबूत करने में चंद्रयान-3 की सफलता भी महत्वपूर्ण रही है। मिशन ने 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग की थी। इसके बाद मिशन से हासिल वैज्ञानिक आंकड़ों को दुनिया भर के वैज्ञानिक समुदाय के लिए उपलब्ध कराया गया। इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन के अनुसार, चंद्रयान-3 की उपलब्धि केवल सफल लैंडिंग तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने 140 करोड़ भारतीयों को भी प्रेरित किया।

20 स्टार्टअप्स ने दिखाई भारत की नई अंतरिक्ष क्षमता

प्रधानमंत्री के साथ बातचीत में शामिल स्टार्टअप्स में स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस, पिक्सेल, ध्रुव स्पेस, गैलेक्सआई, पियरसाइट, बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस, दिगंतरा, सैटश्योर, सुहोरा टेक्नोलॉजीज, मनास्तु स्पेस, एस्ट्रोबेस, टेकमी2स्पेस, व्योमआईसी, कॉस्मोसर्व स्पेस, ऑर्बिटएड एयरोस्पेस, स्काईसर्व (हाइस्पेस), सेरेन्डिपिटी स्पेस, वासर लैब्स और मिस्टियो शामिल रहे। इन कंपनियों का काम अंतरिक्ष क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में फैला हुआ है। ऐसे में इनसे सीधे संवाद भारत के निजी अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र में मौजूद तकनीकी क्षमता, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं को समझने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है।

'3 देशों में किया भारत का प्रतिनिधित्व किया'

एसआईआर में जानकारी मेल न खाने पर पूर्व राजदूत ने जताई निराशा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में भारत के उच्चायुक्त और संयुक्त अरब अमीरात तथा मिस्र में राजदूत रह चुके पूर्व राजनयिक नवदीप सूरी ने वोटर लिस्ट में सुधार से जुड़ी स्पेशल इंटेंसिव रिविजन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने पर अपने अनुभव को साझा करते हुए निर्वाचन आयोग की इस व्यवस्था पर पारदर्शिता और साफ जानकारी की कमी का आरोप लगाया।

नवदीप सूरी ने बताया कि पंजाब में रक्फ़प्रक्रिया के दौरान उन्होंने बूथ लेवल ऑफिसर के पास जाकर अपना वोटर आईडी और आधार कार्ड जमा कराया था, जहां उन्हें सब सही होने का भरोसा दिया गया। हालांकि, बाद में एक वॉलंटियर के जरिए उन्हें सूचना मिली कि उनकी जानकारी 2003 की वोटर लिस्ट से मेल नहीं खा रही है। इसके बाद BLO ने उन्हें नोटिस थमाकर ऐसे दस्तावेज पेश करने को कहा, जो उनकी भारतीय नागरिकता को साबित कर सकें। पूर्व राजदूत ने कहा कि 2003 में वे विदेश में तैनात थे, इसलिए वे भारत में मौजूद नहीं थे। इस पर उनसे नागरिकता के सबूत के तौर पर पासपोर्ट मांगा गया। इस प्रक्रिया पर नाराजगी जताते हुए नवदीप सूरी ने लिखा, तीन देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद भी अगर मुझे अपनी नागरिकता साबित करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, तो देश के आम नागरिक का क्या हाल होगा? गौरतलब है कि निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू की गई SIR प्रक्रिया के तहत जो मतदाता 2002 या 2003 की मतदाता सूची में दर्ज नहीं थे, उनसे सत्यापन के लिए पुराने रिकॉर्ड से जोड़ने वाले दस्तावेज मांगे जा रहे हैं। पहले इसमें 11 तय दस्तावेज शामिल थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इसमें आधार कार्ड को भी जोड़ा गया था। अदालतों ने भी स्पष्ट किया है कि आयोग की मतदाता सूची संशोधन की शक्तियां असीमित नहीं हो सकतीं और उन्हें पारदर्शिता तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के तहत कार्य करना चाहिए।

'2030 तक किसी काम के नहीं रहेंगे तेजस', आईएएफ के पूर्व वाइस-चीफ नागेश कपूर ने किया आगाह

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के वाइस चीफ पद से रिटायर होने के बाद एयर मार्शल नागेश कपूर (रिटायर्ड) ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा एयर फोर्स को तेजस फाइटर जेट की डिलीवरी में हो रही देरी की आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'ऐसा क्यों है कि जिस मशीन के लिए हमें कई साल पहले कुछ खास क्षमताओं का वादा किया गया था, उसे किसी न किसी बहाने से हमें देने से इनकार किया जा रहा है?' एक न्यूज चैनल को दिए एक इंटरव्यू में अधिकारी ने कहा, 'हमें क्यों मुश्किलों का सामना करना पड़े क्योंकि कोई, कहीं अपना वादा पूरा नहीं कर पाया?' एचएएल की तरफ से भारतीय वायुसेना को स्वदेशी एलसीए तेजस Mk1A जेट की डिलीवरी में कई साल की देरी हुई है। इसकी मुख्य वजहें अमेरिकी जीई कंपनी से F404-IN20 इंजन की सप्लाई में देरी, कॉम्प्लेक्स मिशन सॉफ्टवेयर का वैलिडेशन और वायुसेना की सख्त ऑपरेशनल जरूरतें हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या एडवांस्ड तेजस एमके-2 ऑपरेशन के लिहाज से तब भी काम का होगा जब 2030 के दशक के बीच में बड़ी संख्या में इसे सर्विस में शामिल किया जाएगा। ऐसे समय में जब चीन पहले ही अपने 5वीं पीढ़ी के फाइटर जेट का बेड़ा बढ़ा रहा है तो पूर्व वाइस-चीफ ने कहा, 'नहीं, ऑपरेशन के लिहाज से बिल्कुल नहीं।' बता दें कि चीन 2030 तक 500 5वीं पीढ़ी के जे-20 फाइटर तैनात करने की राह पर है, जबकि भारत अभी भी 4.5-पीढ़ी के तेजस Mk1A के पहले स्क्वाड्रन की डिलीवरी पाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

'मैं भी नहीं सुधर रहा हूँ': पुणे के कार्यक्रम में नेहा राठौर की बात दोहराते दिखे राहुल गांधी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि सरकार जिन मुद्दों पर सवाल पसंद नहीं करती, उन पर सवाल उठाने के कारण उन्हें कई साल से अपशब्द सुनने पड़ रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह 'सुधरने वाले नहीं हैं'। राहुल गांधी ने ये बातें पुणे में कांग्रेस के युवा संपर्क कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' के दौरान भोजपुरी गायिका नेहा राठौर से बातचीत में कहीं। नेहा राठौर सरकार की आलोचना करने वाले व्यंग्य गीतों के लिए जानी जाती हैं।

नेहा राठौर ने कहा कि वह इस कार्यक्रम में महिलाओं के 'अपमान' के मुद्दे पर बात करने आई थीं। उन्होंने पूछा कि अगर महिलाएं सत्ता में बैठे लोगों से सवाल ही नहीं कर सकतीं, तो उन्हें कितना सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा, मैं सरकार से उन सभी मुद्दों पर सवाल करती हूं, जो सरकार को पसंद नहीं हैं। इसके बदले मुझे बहुत सारे अपशब्द और एफआईआर झेलने पड़ते हैं।

महिलाओं के प्रति ये कैसा सम्मान है? अगर लोकतंत्र में हम अपने प्रधानमंत्री से सवाल नहीं कर सकते, तो वह कैसा सम्मान होगा? नेहा राठौर ने अपनी शादी के बाद की एक घटना याद करते हुए बताया कि उन्होंने उत्तर प्रदेश में एक व्यंग्य गीत गाया था। इसके बाद उनके पीछे पुलिस की टीमें भेजी गई थीं। इलाके के लोगों ने उनके परिवार से पूछा था कि वह कैसी महिला हैं। उन्होंने कहा, एक महिला के तौर पर अगर आप समाज के कुछ मुद्दों पर बोलना चाहती हैं, तो यह बहुत मुश्किल है। पुरुषों को भी ट्रोल किया जाता है। लेकिन महिलाओं को बहुत अलग तरीके से ट्रोल किया जाता है। वे सीधे उसके चरित्र पर सवाल उठाते हैं। राठौर ने कहा कि वह 'थोड़ी हिम्मती और जिद्दी' हैं। उन्होंने कहा कि वह आलोचना से डरती नहीं हैं। उन्होंने कहा, वे पिछले पांच साल से मुझे गालियां दे रहे हैं। लेकिन फिर भी मैं नहीं सुधरी हूं। मैं उनसे कहना चाहती हूं कि मैं सुधरने वाली नहीं हूं। नेहा राठौर की बात का जवाब देते हुए गांधी ने कहा कि उन्हें भी कई साल से गालियां मिल रही हैं। लेकिन इससे वह डरने वाले नहीं हैं। राहुल गांधी ने कहा कि जिन मुद्दों पर सरकार सवाल पसंद नहीं करती, उन पर सवाल उठाने के कारण उन्हें कई साल से गालियां झेलनी पड़ी हैं। राहुल गांधी ने कहा, मुझे भी कई साल से गालियां मिल रही हैं। लेकिन मैं भी नहीं सुधर रहा हूं। उन्होंने राठौर के शब्दों को दोहराते हुए कहा, मैं भी नहीं सुधर रहा हूं।

संपादक की कलम से

इंटरनेट का विस्फोट? अब मासूम कहां रहा बचपन, खंडित सामाजिक रिश्ते'

इंटरनेट और सोशल मीडिया आधुनिक सभ्यता की ऐसी उपलब्धियाँ हैं, जिन्होंने मनुष्य के जीवन को अभूतपूर्व गति, सुविधा और संचार की शक्ति प्रदान की है। ज्ञान, शिक्षा, सूचना, मनोरंजन और संवाद के असंख्य साधन आज हमारी उँगलियों पर उपलब्ध हैं। संसार की दूरियाँ सिमट गई हैं और दुनिया मानो एक छोटे-से गाँव में बदल गई है। लेकिन हर सुविधा का एक दूसरा पक्ष भी होता है।

ललित शर्मा
संपादक

इंटरनेट और सोशल मीडिया का अनियंत्रित तथा असंतुलित उपयोग आज बच्चों के बचपन, पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक संवेदनाओं के सामने गंभीर चुनौती बनकर खड़ा है। आज तीन-चार वर्ष का मासूम बच्चा भी मोबाइल चलाना जानता है। माता-पिता अपनी व्यस्त दिनचर्या में बच्चे को शांत कराने के लिए मोबाइल उसके हाथ में थमा देते हैं। शुरूआत में यह सुविधा लगती है, लेकिन धीरे-धीरे मोबाइल बच्चे का सबसे प्रिय साथी बन जाता है। वह माता-पिता की गोद से अधिक मोबाइल की स्क्रीन में सुरक्षा और मनोरंजन तलाशने लगता है। बाहर खेलने, मिट्टी में उतरने, दोस्तों के साथ दौड़ने या प्रकृति को देखने की अपेक्षा उसे कार्टून, वीडियो और ऑनलाइन गेम अधिक आकर्षित करने लगते हैं। यहीं से बचपन के बदलने की कहानी शुरू होती है। एक समय था जब बच्चों की पहचान उनकी खिलखिलाती हँसी, मिट्टी से सने कपड़ों, मैदानों की दौड़, पेड़ों पर चढ़ने की जिद और दोस्तों के साथ खेली जाने वाली गुल्ली-डंडा, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी से होती थी। शाम होते ही गलियाँ बच्चों की चहचहाहट से भर जाती थीं। घरों के आँगन में कैरम, लूडो और शतरंज की बिसात सजती थी। हारने वाला रूठता था और जीतने वाला मुस्कुराता था, लेकिन थोड़ी देर बाद दोनों फिर दोस्त बन जाते थे। आज अनेक शहरों और कस्बों की गलियाँ अपेक्षाकृत शांत हैं और बच्चों की दुनिया मोबाइल की छोटी-सी स्क्रीन में सिमटती जा रही है। खेल केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं थे। वे जीवन जीने की पहली पाठशाला थे। कबड्डी बच्चों को साहस और सामूहिकता सिखाती थी, खो-खो सहयोग और अनुशासन सिखाता था, क्रिकेट धैर्य और रणनीति का अभ्यास कराता था। गुल्ली-डंडा और गिल्ली जैसे पारंपरिक खेल संसाधनों की कमी के बावजूद बच्चों को आनंद देना जानते थे। आज ऑनलाइन गेमिंग ने इन खेलों की जगह काफी हद तक ले ली है। स्क्रीन पर जीतने की खुशी वास्तविक मैदान की खुशी जैसी नहीं होती। वास्तविक खेल में बच्चा धूप, हवा, मिट्टी, पसीने और मित्रता के बीच बड़ा होता है। वहाँ वह हारना सीखता है, फिर उठकर प्रयास करना सीखता है। डिजिटल खेलों में अक्सर प्रतिस्पर्धा अधिक तीव्र, आभासी और कई बार आक्रामक होती है। बच्चों की शारीरिक गतिविधियाँ कम होने से मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता, नींद की समस्याएँ, आँखों पर दबाव और गर्दन-पीठ से जुड़ी परेशानियों जैसी चिंताएँ बढ़ रही हैं। अत्यधिक स्क्रीन समय एकाग्रता और दिनचर्या को भी प्रभावित कर सकता है। इसलिए समस्या मोबाइल या इंटरनेट का अस्तित्व नहीं, बल्कि उसका अनियंत्रित उपयोग है। सोशल मीडिया ने बच्चों के सोचने और व्यवहार करने के तरीके को भी प्रभावित किया है। आभासी दुनिया में दिखाई देने वाली चमक-दमक, दिखावा, लोकप्रियता और त्वरित प्रसिद्धि बच्चों के मन में कम उम्र से ही तुलना और प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा कर सकती है। अब बच्चा यह सोचने लगा है कि उसके कितने लाइक्स हैं, कितने फॉलोअर्स हैं और उसकी तस्वीर को कितने लोगों ने पसंद किया। बचपन की सहज मुस्कान कभी-कभी कैमरे के सामने बनाई गई कृत्रिम मुस्कान में बदलने लगती है। भोजन सामने है, लेकिन पहले तस्वीर खींची जाती है। परिवार साथ बैठा है, लेकिन बातचीत के बजाय हर व्यक्ति अपनी-अपनी स्क्रीन पर है।

चूड़ियाँ (दोहे)

मोनिका डागा

कविता

हाथों में सज चूड़ियाँ, करती मधु झंकार।
खन-खन-खन की ताल से, करे प्रेम संचार।।
ये हरी-भरी चूड़ियाँ, सजनी का श्रृंगार।
सजना लाए प्रेम से, प्यारा सा उपहार।।

सजी कलाई चूड़ियाँ, सौभाग्य का प्रतीक।
गृहलक्ष्मी के आंतरिक, राजस्व का प्रतीत।।
चम-चम चमके चूड़ियाँ, मन को लेती जीत।
खन-खन की आवाज में, गाती मीठा गीत।।

चूड़ी हर परिवार में, देती शुभ संदेश।
मिल-जुलकर रहना भला, हो सुंदर परिवेश।।
रखे परिवार जोड़ कर, मीठी-मीठी तान।
खनन-खनन की तान से, खिलती है मुस्कान।।

गढ़ती शुभ संस्कार वो, सौभाग्यवती नार।
खनके जिसके हाथ में, चूड़ी की झंकार।।
सावन आया है सखी, जगे भाव कुछ खास।
हरी -हरी ये चूडियाँ, सुख का दे अहसास।।

जन्मों का संबंध ये, संस्कारों की रीत।
सुहागिनों की प्रार्थना, सुखी रहें मनमीत।।
तीज-त्यौहार की चमक, चूड़ियों भरा हाथ।
सजे 'आनंद' हर सपन, साजन-सजनी साथ।।

बिखरे खुशियों की महक, बजता जब संगीत।
भरे उत्साह चूड़ियाँ, जीवन का प्रिय गीत।।
प्रेम समर्पण की यही, जानो सच्ची बात।
बागबान में चूड़ियाँ, लाएं नवल प्रभात।।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

बुढ़ापे को धीमा करने की दौड़ में विज्ञान

डॉ विजय गर्ग
लेखक

बुढ़ापा मानव जीवन का सबसे सार्वभौमिक अनुभव है। हर व्यक्ति उम्रदराज होता है, लेकिन हमारा शरीर क्यों बूढ़ा होता है, कुछ लोग कई दशकों तक स्वस्थ कैसे रहते हैं और कुछ लोगों में उम्र से जुड़ी बीमारियाँ अपेक्षाकृत जल्दी क्यों विकसित हो जाती हैं—इन प्रश्नों पर विज्ञान आज भी शोध कर रहा है। सदियों से मनुष्य ने जवानी को लंबा करने और बुढ़ापे को टालने का सपना देखा है। आज विज्ञान इस सपने को एक अधिक व्यावहारिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देख रहा है। उद्देश्य मनुष्य को हमेशा जवान बनाए रखना नहीं, बल्कि बुढ़ापे की जैविक प्रक्रियाओं को समझना और स्वस्थ जीवन के वर्षों को बढ़ाना है। आधुनिक विज्ञान में उम्र बढ़ने के अध्ययन का केंद्र केवल जीवनकाल (छीरस्रंल्ल) बढ़ाना नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनकाल (ल्रीं’इँरस्रंल्ल) बढ़ाना है। जीवनकाल का अर्थ है कि व्यक्ति कितने वर्षों तक जीवित रहता है, जबकि स्वस्थ जीवनकाल का अर्थ है कि वह कितने वर्षों तक शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, सक्रिय तथा आत्मनिर्भर रहता है। अधिक वर्षों तक जीवित रहना तभी सार्थक है, जब वे वर्ष बेहतर स्वास्थ्य और जीवन की अच्छी गुणवत्ता के साथ बीतें।

हम बूढ़े क्यों होते हैं?

उम्र बढ़ना किसी एक कारण से होने वाली प्रक्रिया नहीं है। यह शरीर में होने वाले अनेक परस्पर जुड़े जैविक परिवर्तनों का परिणाम है। समय के साथ कोशिकाओं में क्षति जमा होती जाती है, उनकी स्वयं की मरम्मत करने की क्षमता कम हो सकती है, कोशिकाओं के बीच संचार बदल सकता है और शरीर की विभिन्न प्रणालियाँ धीरे-धीरे कम प्रभावी हो सकती हैं। वैज्ञानिक उम्र बढ़ने से जुड़ी कई जैविक प्रक्रियाओं का अध्ययन कर रहे हैं। इनमें डीएनए में होने वाले परिवर्तन, कोशिकाओं में ऊर्जा उत्पादन, प्रोटीनों का रखरखाव, सूजन, स्टेम सेल की कार्यक्षमता तथा क्षतिग्रस्त या असामान्य कोशिकाओं का जमा होना शामिल है। शोध का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र कोशिकीय वृद्धावस्था (Cellular Senescence) है। कुछ क्षतिग्रस्त कोशिकाएँ विभाजित होना बंद कर देती हैं, लेकिन तुरंत शरीर से समाप्त नहीं होतीं। ऐसी कोशिकाएँ आसपास के ऊतकों को प्रभावित करने वाले पदार्थ छोड़ सकती हैं। वैज्ञानिक यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि क्या ऐसी कोशिकाओं को चुनिंदा रूप से हटाने या उनके व्यवहार में परिवर्तन करने से उम्र से जुड़ी कुछ समस्याओं को कम किया जा सकता है। यह क्षेत्र आशाजनक है, लेकिन इसका बड़ा हिस्सा अभी प्रयोगात्मक चरण में है।

आनुवंशिकी की भूमिका

हमारी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया में जीन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन वे पूरी कहानी नहीं बताते। वैज्ञानिकों ने विभिन्न आबादियों और जीवों में दीघार्यु से जुड़े कुछ आनुवंशिक बदलावों की पहचान की है। असाधारण रूप से लंबा जीवन जीने वाले परिवारों का अध्ययन वैज्ञानिकों को उन जैविक कारकों को समझने में मदद कर रहा है, जो स्वस्थ दीघार्यु में योगदान दे सकते हैं। इसके

साथ ही वैज्ञानिक एपिजेनेटिक्स का भी अध्ययन कर रहे हैं। इसमें डीएनए के क्रम को बदले बिना यह प्रभावित होता है कि कुछ जीन किस तरह सक्रिय या निष्क्रिय होते हैं। उम्र के साथ होने वाले एपिजेनेटिक बदलाव जैविक उम्र को समझने के लिए महत्वपूर्ण संकेत दे सकते हैं। हालाँकि जीन और उम्र बढ़ने का संबंध अत्यंत जटिल है। दीघार्यु से जुड़ा कोई जीन यह सुनिश्चित नहीं करता कि व्यक्ति लंबा और स्वस्थ जीवन ही जिएगा। पर्यावरण, पोषण, शारीरिक गतिविधि, नींद, तनाव, सामाजिक परिस्थितियाँ और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

क्या क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की मरम्मत संभव है?

उम्र बढ़ने के शोध में एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या शरीर की प्राकृतिक मरम्मत प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। मानव शरीर में ऊतकों की मरम्मत की प्राकृतिक क्षमता होती है। स्टेम सेल कुछ ऊतकों को बनाए रखने और उनके पुनर्निर्माण में सहायता करते हैं, लेकिन उम्र के साथ उनकी कार्यक्षमता में कमी आ सकती है। इसी कारण पुनयोर्जी चिकित्सा (Regenerative Medicine) शरीर की क्षतिग्रस्त जैविक प्रणालियों की मरम्मत और पुनर्स्थापना के नए तरीके खोज रही है। स्टेम सेल, टिश्यू इंजीनियरिंग और कोशिका आधारित उपचारों पर शोध भविष्य में उम्र से जुड़ी कुछ बीमारियों के उपचार में उपयोगी हो सकता है। लेकिन ये तकनीकें अभी विकास के दौर में हैं और इनके प्रभाव, सुरक्षा तथा दीर्घकालिक परिणामों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन आवश्यक है।

पुनयोर्जी चिकित्सा की उम्मीद

पुनयोर्जी चिकित्सा का उद्देश्य केवल बीमारी के लक्षणों को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि क्षतिग्रस्त ऊतकों की मरम्मत या आवश्यकता पड़ने पर उनका पुनर्निर्माण करना है। भविष्य में इस क्षेत्र की प्रगति उम्र बढ़ने से प्रभावित कुछ शारीरिक कार्यों को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। वैज्ञानिक अंगों के पुनर्निर्माण, कृत्रिम रूप से तैयार ऊतकों, कोशिका-आधारित उपचारों और अन्य तकनीकों पर काम कर रहे हैं। इसका उपयोग केवल बुढ़ापे से संबंधित समस्याओं तक सीमित नहीं होगा, बल्कि चोटों और अनेक पुरानी बीमारियों के उपचार में भी हो सकता है। लेकिन चुनौती बहुत बड़ी है। मानव शरीर के ऊतक अत्यंत जटिल होते हैं। केवल क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को बदल देना पर्याप्त नहीं होता। वैज्ञानिकों को यह भी समझना पड़ता है कि कोशिकाएँ एक-दूसरे से कैसे संवाद करती हैं, कैसे व्यवस्थित होती हैं और एक साथ किस प्रकार कार्य करती हैं।

उम्र बढ़ने के शोध में कृत्रिम बुद्धिमत्ता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) जैव चिकित्सा अनुसंधान का एक महत्वपूर्ण उपकरण बनती जा रही है। आधुनिक शोध में जीनोम, मेडिकल रिकॉर्ड, मेडिकल इमेजिंग, प्रोटीन और कोशिकीय प्रयोगों से भारी मात्रा में डेटा प्राप्त होता है। AI ऐसे पैटर्न पहचानने में सहायता कर सकता है जिन्हें मनुष्य के लिए इतनी बड़ी मात्रा में डेटा में पहचानना कठिन हो सकता है। वैज्ञानिक अककी सहायता से संभावित दवा लक्ष्यों की पहचान करने, जैविक परिवर्तनों का अनुमान लगाने और उन यौगिकों का विश्लेषण करने का प्रयास कर रहे हैं जो उम्र बढ़ने से संबंधित जैविक प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकते हैं। हालाँकि अक अपने आप बुढ़ापे की समस्या का समाधान नहीं कर सकता। इसका वास्तविक महत्व जटिल वैज्ञानिक जानकारी को तेजी से समझने, संभावित शोध दिशाएँ खोजने और नई परिकल्पनाएँ विकसित करने में है। इन परिकल्पनाओं को बाद में प्रयोगशाला और क्लिनिकल शोध के माध्यम से परखा जाना आवश्यक है।

उम्र से जुड़ी बीमारियों के उपचार की खोज

वैज्ञानिक यह भी अध्ययन कर रहे हैं कि क्या कुछ मौजूदा दवाएँ या जैविक यौगिक उम्र बढ़ने से जुड़ी प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ पदार्थों ने प्रयोगशाला में किए गए पशु अध्ययनों में रोचक परिणाम दिखाए हैं, जिसके बाद उन पर आगे शोध किया जा रहा है। लेकिन प्रयोगशाला में मिले आशाजनक परिणाम और मनुष्यों में सिद्ध उपचार के बीच बहुत बड़ा अंतर है। किसी पदार्थ का पशुओं में जीवनकाल बढ़ाना या कुछ जैविक संकेतकों में सुधार करना यह साबित नहीं करता कि वह मनुष्यों में भी उसी तरह प्रभावी होगा। क्लिनिकल परीक्षण यह निर्धारित करने के लिए आवश्यक हैं कि कोई उपचार वास्तव में प्रभावी और सुरक्षित है या नहीं। वैज्ञानिकों को इसके दुष्प्रभावों, उचित मात्रा, दीर्घकालिक जोखिमों और अलग-अलग व्यक्तियों में होने वाले विभिन्न प्रभावों का अध्ययन करना पड़ता है।

जीवनशैली का महत्व अभी भी सबसे अधिक है

जबप्रयोगशालाओं में अत्याधुनिक तकनीकों पर शोध चल रहा है, तब स्वस्थ उम्र बढ़ने के कुछ सबसे प्रभावी साधन अभी भी बहुत सरल हैं। नियमित शारीरिक गतिविधि हृदय स्वास्थ्य, मांसपेशियों की ताकत, गतिशीलता और समग्र स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। संतुलित आहार शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है। पर्याप्त नींद शारीरिक और मानसिक कार्यक्षमता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। तंबाकू से बचना और अन्य प्रमुख स्वास्थ्य जोखिमों को कम करना भी स्वस्थ जीवन में योगदान देता है। सामाजिक संबंध और मानसिक सक्रियता भी महत्वपूर्ण हैं। नई चीजें सीखना, रिश्तों को बनाए रखना, बौद्धिक रूप से सक्रिय रहना और जीवन में उद्देश्यपूर्ण गतिविधियों से जुड़े रहना व्यक्ति के मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी हो सकता है। इसलिए विज्ञान यह नहीं कहता कि लोग किसी चमत्कारी एंटी-एजिंग उपचार की प्रतीक्षा करें।

महंगाई काबू में है, बस आम आदमी का बजट बेकाबू है

प्रो. आरके जैन
लेखक

रसोई का दरवाजा खुलते ही आज सबसे पहले बजट नजर आता है। चीनी महँगी है, तेल जेब का हिसाब बिगाड़ रहा है, दाल का हर निवाला सोचकर खाना पड़ रहा है और सब्जियों के बढ़ते दाम थाली का संतुलन बिगाड़ रहे हैं। दूध की मलाई अब सामान्य सुविधा नहीं रही। महंगाई ने सवाल बदल दिया है—पहले पूछा जाता था, आज क्या पकाएँ; अब सोचना पड़ता है, क्या छोड़ें। रोटी अब सिर्फ भोजन नहीं, मासिक बजट का हिस्सा बन गई है। जरूरी चीजें महँगी हों तो सबसे पहले बचत घटती है, फिर इच्छाएँ सीमित होती हैं। सहनशीलता को ताकत कहा जाता है, लेकिन लगातार बढ़ती कीमतों के बीच वही मजबूरी बन जाती है।

सरकारी दावों और बाजार की हकीकत के बीच दूरी साफ दिखती है। महंगाई नियंत्रण में होने की बात कही जाती है, लेकिन किराने की दुकान पर उसका असर नहीं दिखता। आँकड़े प्रतिशत में राहत दिखा सकते हैं, पर परिवार का बजट रुपये में चलता है। दाल महँगी हो तो वैश्विक कारण, तेल बढ़े तो अंतरराष्ट्रीय बाजार का हवाला मिलता है। सवाल है, सस्ताई के समय यही वैश्विक परिस्थितियाँ असरदार क्यों नहीं दिखतीं? आम आदमी बिना किसी आर्थिक डिग्री के महंगाई समझता है। चीनी, तेल, दूध और प्याज के भाव से वह महीने का अनुमान लगाता है। उसके लिए महंगाई कोई आर्थिक शब्द नहीं, रोज का अनुभव है। यही सरकारी भाषा और रसोई की भाषा के बीच बढ़ते भरोसे के अंतर की वजह है। महंगाई ने ऐसा मध्यमवर्ग खड़ा कर दिया है जिसकी आय स्थिर है, लेकिन जरूरतों की कीमत लगातार बढ़ रही है। कागज पर वह गरीब नहीं, पर महीने के अंत में आय-व्यय का हिसाब उसे असुरक्षित कर देता है। घरों

में अब बच्चों को उन दिनों की सस्ती चीजों के बारे में बताना पड़ता है, जो कभी सामान्य थीं। 'सस्ता' शब्द धीरे-धीरे अनुभव से निकलकर स्मृति बन रहा है। महंगाई का असर सिर्फ थाली पर नहीं, बचत, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य की योजनाओं पर भी पड़ता है। आय का बड़ा हिस्सा जरूरी खर्च में जाए तो सपनों की जगह अपने आप छोटी हो जाती है। इस दबाव को केवल औसत आँकड़े पूरी तरह नहीं समझा सकते। महंगाई पर नियंत्रण के उपायों की कमी नहीं, लेकिन नतीजे सीमित हैं। गोदाम खोलने, आयात बढ़ाने, जमाखोरी पर कार्रवाई, बैठकों और घोषणाओं की खबरें आती रहती हैं। सरकारें कदम उठाती हैं, लेकिन उपभोक्ता को राहत तभी मिलती है जब बाजार की कीमत घटे। चुनावों में महंगाई रोकने के वादे होते हैं, फिर कुछ समय बाद वही चिंता लौट आती है। समस्या यह नहीं कि सरकार कुछ नहीं करती, बल्कि यह है कि प्रयास और आम आदमी को मिली राहत के बीच दूरी बनी रहती है। नियंत्रण की घोषणा तभी सार्थक है, जब उसका असर किराने की सूची पर दिखे। चीनी की पुड़िया और तेल की बोतल भाषण नहीं, कीमत समझते हैं। महंगाई ने परिवार की बातचीत और प्राथमिकताएँ बदल दी हैं। पहले घरेलू बजट एक व्यवस्था था, अब वह बदलती कीमतों से जूझता हिसाब बन गया है। पत्नी सब्जी, तेल और चीनी का अनुमान लगाती है, पति वेतन और बाकी खर्च का। समस्या एक ही है—जरूरतें अनेक, पैसा सीमित। कई परिवारों को भोजन की गुणवत्ता, बचत और छोटी इच्छाओं में से चुनाव करना पड़ता है। महंगाई सिर्फ चीजें महँगी नहीं करती, परिवार के फैसले भी बदलती है। आय का बड़ा हिस्सा जरूरी खर्च में जाए तो शिक्षा, स्वास्थ्य, यात्रा और आकस्मिक जरूरतों के लिए पैसा कम पड़ता है। यही रोजमर्रा का दबाव महंगाई को आर्थिक से बढ़ाकर सामाजिक समस्या बनाता है। बढ़ती कीमतों ने आर्थिक दूरी को समझने का तरीका बदल दिया है। अब केवल आय नहीं, यह भी देखना जरूरी है कि उस आय से परिवार कितनी जरूरतें पूरी कर पा रहा है। महंगाई का असर गरीब पर सबसे तीखा है, क्योंकि उसकी आय का बड़ा हिस्सा भोजन और जरूरी वस्तुओं पर खर्च होता है। मध्यमवर्ग भी इससे अछूता नहीं, क्योंकि उसकी बचत और भविष्य की योजनाएँ प्रभावित होती हैं। रिश्तेदारों और मित्रों की बातचीत में भी अब दाम जगह बना चुके हैं—तेल कहाँ सस्ता है, सब्जियाँ किस बाजार में कम हैं, दाल कितने की है। महंगाई ने सिर्फ बाजार नहीं, लोगों की प्राथमिकताएँ और बातचीत भी बदल दी हैं। अर्थशास्त्र के सिद्धांत अपनी जगह हैं, लेकिन महंगाई की असली परीक्षा घर की थाली में होती है। मांग-आपूर्ति, वैश्विक बाजार और मुद्रास्फीति जैसे शब्द तभी मायने रखते हैं, जब उनका असर परिवार के खर्च में साफ दिखे। विशेषज्ञ इसे अस्थायी बताते हैं, लेकिन लंबे समय तक बनी ऊँची कीमतें आम आदमी के लिए अस्थायी नहीं रह जातीं। लगातार बढ़ती लागत से बचत घटती है, खर्च की प्राथमिकताएँ बदलती हैं और भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ती है। इसलिए महंगाई को केवल आर्थिक सूचकांक मानना अधूरा होगा। असली तस्वीर यह है कि एक सामान्य परिवार अपनी आय से कितना भोजन, ईंधन, शिक्षा और बचत सुरक्षित रख पा रहा है। यही महंगाई का वास्तविक असर है।

अस्पतालों की ऊँची इमारतें और गरीब की छोटी जिंदगी: स्वास्थ्य व्यवस्था का कड़वा सच

एनके शर्मा
लेखक

भारत में स्वास्थ्य व्यवस्था का चेहरा आज पहले से कहीं अधिक चमकदार दिखाई देता है। महानगरों में आसमान छूती अस्पतालों की इमारतें, अत्याधुनिक मशीनें, रोबोटिक सर्जरी, चमचमाते लॉबी, वातानुकूलित कमरे और विज्ञापनों में मुस्कुराते डॉक्टर—सब कुछ यह विश्वास पैदा करता है कि भारत चिकित्सा के आधुनिक युग में प्रवेश कर चुका है। लेकिन इन्हीं इमारतों के बाहर खड़ा वह गरीब आदमी इस चमकदार तस्वीर का सबसे बड़ा सवाल है, जिसके हाथ में इलाज की पर्ची है, जेब में कुछ सौ रुपये और आँखों में किसी अपने को बचा लेने की आखिरी उम्मीद।

विडंबना यही है कि अस्पतालों की ऊँचाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन आम आदमी की स्वास्थ्य-सुरक्षा उतनी ही असुरक्षित बनी हुई है। चिकित्सा विज्ञान ने असाधारण प्रगति की है, मगर इलाज तक समान और सम्मानजनक पहुँच अभी भी भारत की सबसे बड़ी सामाजिक चुनौतियों में से एक है। बीमारी अब केवल शरीर को नहीं तोड़ती; वह परिवार की आर्थिक रीढ़ भी तोड़ सकती है। भारत के राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा के अनुसार, सरकारी स्वास्थ्य व्यय का कुल स्वास्थ्य व्यय में हिस्सा 2014-15 के 29 प्रतिशत से बढ़कर 2021-22 में 48 प्रतिशत हुआ और इसी अवधि में लोगों का अपनी जेब से किया जाने वाला स्वास्थ्य व्यय 62.6 प्रतिशत से घटकर 39.4 प्रतिशत हुआ। यह निश्चित रूप से महत्वपूर्ण सुधार है। लेकिन इस उपलब्धि का अर्थ यह नहीं कि स्वास्थ्य पर आर्थिक बोझ समाप्त हो गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी मानता है कि जेब से होने वाला खर्च गरीब परिवारों को विनाशकारी स्वास्थ्य व्यय और गरीबी की ओर धकेल सकता है। सबसे भयावह प्रश्न यह है कि बीमारी आने पर गरीब के पास विकल्प कितने हैं? सरकारी अस्पतालों में भीड़, डॉक्टरों और विशेषज्ञों की कमी, दवाओं की अनुपलब्धता, जांचों के लिए लंबी कतारें और कई स्थानों पर आधारभूत सुविधाओं का अभाव उसे निजी अस्पताल की ओर धकेलता है। निजी

अस्पतालों में आधुनिक सुविधाएँ अवश्य हैं, पर उनकी कीमत भी उसी अनुपात में बढ़ती जाती है। परिणामतः गरीब मरीज के सामने अक्सर दो ही रास्ते बचते हैं—महंगा इलाज या इलाज टाल देना। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के स्वास्थ्य संबंधी आंकड़े इस असमानता की गंभीर तस्वीर सामने रखते हैं। 2017-18 में अस्पताल में भर्ती होने पर औसत चिकित्सा व्यय ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 16,676 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 26,475 रुपये था। सरकारी अस्पतालों की तुलना में निजी अस्पतालों में यह खर्च कई गुना अधिक था। आज आय, चिकित्सा तकनीक और उपचार की कीमतों में आए बदलावों के बीच उस दौर के आंकड़ों को वर्तमान का प्रत्यक्ष मूल्य नहीं माना जा सकता, लेकिन वे यह समझने के लिए पर्याप्त हैं कि बीमारी का आर्थिक बोझ सामाजिक वर्गों पर समान नहीं पड़ता।

'एक गरीब परिवार के लिए पाँच हजार रुपये भी संकट हो सकते हैं और पचास हजार रुपये विनाश। उसके लिए अस्पताल का बिल केवल एक कागज नहीं होता; वह कई महीनों की बचत, बच्चों की फीस, घर का राशन, खेती की लागत और कभी-कभी पुश्तैनी जमीन या आभूषण बेचने की मजबूरी में बदल जाता है। बीमारी इसलिए भारत में एक चिकित्सकीय घटना होने के साथ-साथ आर्थिक दुर्घटना भी बन जाती है। यही वह बिंदु है जहाँ 'स्वास्थ्य का अधिकार' और 'स्वास्थ्य की बाजार-व्यवस्था' आमने-सामने खड़े दिखाई देते हैं। स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं, मनुष्य की गरिमा और जीवन का मूल आधार है। लेकिन जब उपचार की उपलब्धता व्यक्ति की भुगतान-क्षमता से तय होने लगे, तब चिकित्सा व्यवस्था का मानवीय चरित्र प्रश्नों के घेरे में आ जाता है। इसका अर्थ यह नहीं कि निजी अस्पतालों को खलनायक मान लिया जाए। आधुनिक चिकित्सा के विस्तार में निजी क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण है। समस्या उस व्यवस्था की है जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं की कीमत, पारदर्शिता और जवाबदेही के बीच संतुलन कमजोर पड़ जाता है। मरीज अक्सर चिकित्सा विज्ञान की जटिल भाषा, पैकेजों, जांचों और प्रक्रियाओं के बीच असहाय उपभोक्ता बन जाता है। उसे यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि कौन-सी जांच आवश्यक है, कौन-सी वैकल्पिक, उपचार की कुल अनुमानित लागत कितनी होगी और उसके पास कौन-कौन से विकल्प हैं। दूसरी ओर सरकारी अस्पतालों की मजबूती केवल गरीबों के लिए कल्याणकारी कदम नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र की रीढ़ है। मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का अर्थ है—बेहतर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पर्याप्त डॉक्टर और नर्सें, आवश्यक दवाओं की निरंतर उपलब्धता, गुणवत्तापूर्ण जांच, आपातकालीन सेवाएँ, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की सुरक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों तक विशेषज्ञ सेवाओं का विस्तार। स्वास्थ्य व्यवस्था का सबसे कमजोर कड़ी अक्सर अस्पताल नहीं, बल्कि अस्पताल से पहले का चरण होता है। यदि उच्च रक्तचाप, मधुमेह, संक्रमण, कुपोषण और अन्य बीमारियों की समय रहते पहचान और रोकथाम हो जाए तो हजारों परिवारों को महंगे उपचार की आवश्यकता ही न पड़े। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और वित्तीय सुरक्षा को केंद्रीय महत्व देता है। बीमा और सरकारी स्वास्थ्य योजनाएँ निश्चित रूप से महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच हैं, लेकिन बीमा कार्ड हाथ में होना और गुणवत्तापूर्ण इलाज वास्तव में उपलब्ध होना दो अलग-अलग बातें हैं। योजना की सफलता तभी है जब मरीज को समय पर उपचार मिले, अस्पताल में योजना का लाभ वास्तव में मिले, आवश्यक दवाएँ और जांचें उपलब्ध हों तथा मरीज को अनावश्यक आर्थिक बोझ न उठाना पड़े। कागज पर कवरेज और जमीन पर इलाज के बीच की दूरी को समाप्त करना होगा। सबसे बड़ी चुनौती ग्रामीण भारत और निम्न-आय वाले परिवारों की है।

महानगरों में चिकित्सा सुविधाओं

6002 रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा के साथ मिलेगा सम्मान

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ। पीएम पोषण योजना के अंतर्गत श्री हरि पैलेस, प्रतापगढ़ में रसोइया सम्मान एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार कर अपनी जिम्मेदारी निभाने वाली रसोइयों को सम्मानित करने के साथ ही उन्हें स्वास्थ्य सुरक्षा की सौगात दी गई। मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत जनपद में कार्यरत 6002 रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। रसोइयों को ₹5 लाख तक के कैशलेस उपचार, ₹2 लाख की सामाजिक सुरक्षा, किचेन वस्त्र के लिए ₹500 के स्थान पर अब ₹1000 तथा मानदेय ₹2000 से बढ़ाकर ₹3000 किए जाने का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी ने दीप प्रज्ज्वलित एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवब्रत सिंह ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर लखनऊ में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय रसोइया सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया गया। जनपद मुख्यालय पर मौजूद अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं रसोइयों ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम को देखा और सरकार की घोषणाओं की जानकारी प्राप्त की।

रसोइयां विद्यालयी व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी : सदर विधायक

समारोह को संबोधित करते हुए सदर विधायक राजेन्द्र प्रसाद मौर्य ने रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा से आच्छादित किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने वाली रसोइयां शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने रसोइयों से अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा और मनोयोग से करने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी ने रसोइयों के मानदेय में वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार रसोइयों के हितों को लेकर संवेदनशील है और उनकी सुविधा एवं सुरक्षा में निरंतर वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने रसोइयों के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए उनके सम्मान को समाज की जिम्मेदारी बताया।

समारोह में रामराजी, सुमन, मालती देवी, सावित्री देवी, चांदनी बानो, मीना देवी, अमरावती, लैपलतून बानो, शिव कुमारी एवं मालती देवी को कैशलेस चिकित्सा कार्ड एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं उत्कृष्ट सेवा एवं योगदान के लिए विमला देवी, फूल कली, मनोरमा, अमरावती देवी, रानी देवी, चम्पा, विद्या देवी, रीना, मंजू देवी एवं सोनी कोरी को चेक एवं साड़ी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

रसोइयों के सम्मान और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से उन्हें जोड़ने के उद्देश्य से रविवार को जनपद की सभी तहसीलों में भी रसोइया सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए गए। यहां विद्यालयों में अपनी सेवाएं दे रहीं रसोइयों को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत जनपद प्रतापगढ़ में कार्यरत कुल 6002 रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। इस पहल को रसोइयों के सामाजिक सम्मान के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कार्यक्र में बेसिक शिक्षा अधिकारी देवब्रत सिंह ने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों, रसोइयों एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मो. इजहार, जिला समन्वयक एमडीएम; योगेन्द्र सिंह, जिला समन्वयक प्रशिक्षण; आबिद अली; प्रदीप यादव, जिला समन्वयक निर्माण तथा समस्त जिला समन्वयकों ने समन्वय एवं व्यवस्थापन की जिम्मेदारी निभाई। सुशील सिंह, जिला स्काउट मास्टर एवं पवन सिंह ने भी सहयोग प्रदान किया।

ईद-मिलाद-उन-नबी के जुलूस को लेकर पुलिस सतर्क, प्रभारी निरीक्षक ने किया मार्ग निरीक्षण

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बांसी/सिद्धार्थनगर। आगामी त्योहार ईद-मिलाद-उन-नबी को शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए बांसी कोतवाली पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ गई है। रविवार को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बांसी मृत्युंजय पाठक ने अंजुमन इस्लामिया बांसी के अध्यक्ष शमीम अहमद और सैय्यद सफीकुररहमान सहित भारी पुलिस बल के साथ नगर के जुलूस मार्गों का मुआयना किया।निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जुलूस के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा या सुरक्षा संबंधी समस्या को पहले से चिह्नित कर उसका समाधान करना रहा। पुलिस टीम ने स्थानीय संभ्रांत नागरिकों और आयोजकों से बातचीत कर आगामी त्योहार के दौरान आने वाली संभावित दिक्कतों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।इस अवसर पर एसआई स्वामी नाथ भास्कर, जगदीश सिंह, जावेद समश, हेड कांस्टेबल सुनील दुबे, मनोज कुमार यादव, कृष्ण कुमार दुबे, सूर्यप्रकाश सिंह, अमित यादव, मोहम्मद अजीम अभय प्रताप यादव और आनंद सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

चोरी की दो मोटरसाइकिल और मोबाइल के साथ नेपाल का युवक गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना पुलिस ने चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए नेपाल निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल, एक एंड्रायड मोबाइल फोन, एक मास्टर चाबी और 90 रुपये नेपाली मुद्रा बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी साप्ताहिक बाजार और भीड़भाड़ वाले स्थानों से दोपहिया वाहन चोरी कर उन्हें नेपाल ले जाकर नंबर प्लेट बदलने के बाद बेचता था। थानाध्यक्ष मोहाना जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम रविवार को क्षेत्र में संदिग्धों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर माधोपुर जंगल के पास से समीर अंसारी पुत्र मुजीब अंसारी निवासी रेहरा, थाना तौलिहवा, जिला कपिलवस्तु, नेपाल को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से दो चोरी की मोटरसाइकिल, एक एंड्रायड मोबाइल, एक मास्टर चाबी और 90 रुपये नेपाली मुद्रा बरामद हुई।

अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद ने सीओ सदर विश्वजीत सौरयान के साथ प्रेसवार्ता कर बताया कि मोहाना पुलिस ने चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए नेपाल निवासी आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से दो चोरी की मोटरसाइकिल, एंड्रायड मोबाइल, मास्टर चाबी और नेपाली मुद्रा बरामद हुई है।

पूछताछ में आरोपी ने बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों से मास्टर चाबी की मदद से मोटरसाइकिल चोरी कर नेपाल ले जाकर नंबर प्लेट बदलने के बाद बेचने की बात स्वीकार की है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी का नाम मोहाना थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 130/2026 की धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता तथा शोहरतगढ़ थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 174/2026 की धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता में प्रकाश में आया था। बरामदगी के आधार पर दोनों मुकदमों में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2), 318, 319, 336, 338 और 340 की बढ़ोतरी की गई है। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह साप्ताहिक बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में खड़ी मोटरसाइकिलों को मास्टर चाबी से खोलकर चोरी करता था। इसके बाद वाहनों को नेपाल ले जाकर नंबर प्लेट बदल देता था और उन्हें बेच देता था।

भाकियू (देशहित) ने मनाया प्रथम जन्मोत्सव, तिरंगा यात्रा निकाल पदाधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। भारतीय किसान यूनियन (देशहित) की स्थापना का एक वर्ष पूरा होने पर संगठन का प्रथम जन्मोत्सव किठौर रोड स्थित आनंद रिजेंसी में धूमधाम से मनाया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत चौधरी के कुशल नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के अवसर पर किठौर रोड हापुड़ से विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा तहसील चौपला, अतरकच्छा होते हुए मेरठ रोड स्थित आनंद रिजेंसी किठौर रोड हापुड़ पहुंची। यहां संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत चौधरी का भव्य स्वागत किया। तिरंगा यात्रा के दौरान सबसे पहले किसान मसीहा स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद मेरठ रोड स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। यात्रा आगे बढ़ते हुए एसपी आवास के सामने पहुंची, जहां प्रदेश अध्यक्ष मोहित त्यागी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत चौधरी का पुष्प वर्षा एवं माला पहनाकर स्वागत किया।तिरंगा यात्रा के किठौर पेट्रोल पंप पर पहुंचने पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रतिनिधि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने साथियों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। इसके बाद आनंद रिजेंसी किठौर रोड पर तिरंगा यात्रा का समापन हुआ। यहां राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत चौधरी का माला पहनाकर एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया।कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला स्तर पर पदाधिकारियों की नियुक्ति करते हुए उन्हें मनोनयन पत्र सौंपे गए तथा संगठन के प्रति जिम्मेदारी दी गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि संगठन का उद्देश्य जनहित की समस्याओं का समाधान कराना और किसानों के हितों के लिए संघर्ष करना है। उन्होंने कहा कि संगठन की कार्यशैली और व्यवहार के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है तथा दिन-प्रतिदिन संगठन का कुनबा बढ़ रहा है।उन्होंने पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने और संगठन को व्यापक स्तर पर मजबूत करने का आह्वान किया। प्रथम जन्मोत्सव के अवसर पर पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए जनहित की समस्याओं के समाधान के लिए दृढ़संकल्पित रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं किसान बड़ी संख्या में मौजूद रहे। मंच का संचालन संगठन के राष्ट्रीय कानूनी सलाहकार एडवोकेट पुरुषोत्तम वर्मा ने किया।

रसोइयों को मिले चार तोहफे, पांच लाख तक कैशलेस इलाज की सुविधा

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। पीएम पोषण योजना के तहत रविवार को लोहिया कला भवन में रसोइयों का सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने देखा।कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विधायक विनय वर्मा ने कहा कि रसोइयों को पांच लाख रुपये तक निःशुल्क कैशलेस चिकित्सा सुविधा, मानदेय में एक हजार रुपये की वृद्धि, ड्रेस के लिए प्रतिवर्ष 500 रुपये की बढ़ोतरी तथा दो लाख रुपये तक दुर्घटना योजना का लाभ मिलेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि रसोइया बच्चों को अपने बच्चों की तरह देखभाल कर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराती हैं। कार्यक्रम में पांच रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड, ड्रेस, प्रतीकात्मक चेक और पांच रसोइयों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी, शिक्षक और रसोइया मौजूद रहे।

किसान सम्मान निधि में 3.15 करोड़ का घपला डीएम ने दर्ज कराई एफआईआर

विजय द्विवेदी/वेलकम इन्डिया

प्रतापगढ़। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में प्रतापगढ़ जिले में बड़े फजीर्वाड़े का मामला सामने आया है। कुछ तहसीलों में साढ़े चार लाख किसानों का फर्जी पंजीकरण कराकर करीब 3.15 करोड़ रुपये की सम्मान निधि का घपला किए जाने का खुलासा हुआ है। मामले की जांच कृषि निदेशालय, नई दिल्ली और केंद्रीय सतर्कता आयोग स्तर से भी की गई है। जांच में सामने आया है कि फजीर्वाड़े में प्रयागराज, कौशांबी, अमेठी और सुल्तानपुर के लोगों के नाम भी शामिल हैं। वर्ष 2019-20 में पीएम किसान पोर्टल पर डायरेक्ट एंट्री के माध्यम से फर्जी अभिलेखों के आधार पर पंजीकरण कराया गया। जांच के दौरान 1700 आईडी एड्रेस फर्जी पाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार करीब 4.5 लाख किसानों का फर्जी पंजीकरण कराकर पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ लिया गया। इनमें 3.75 लाख किसानों ने तीन किस्तों में करीब 2.25 अरब रुपये, जबकि 75 हजार किसानों ने छह किस्तों में करीब 90 करोड़ रुपये की सम्मान निधि प्राप्त की। हालांकि सत्यापन में सभी पात्र पाए गए थे। ऑनलाइन जांच शुरू होने के बाद दूसरे जिलों के किसान भी प्रतापगढ़ से सम्मान निधि लेते पाए गए। केंद्रीय सतर्कता आयोग और विभागीय जांच में फजीर्वाड़े का खुलासा होने के बाद मामले में कार्रवाई शुरू हुई। शासन ने 10 जुलाई 2026 को जिलाधिकारी को पत्र भेजकर विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय ने पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर को पत्र लिखकर मामले में एफआईआर दर्ज कराने के लिए कहा है। एसपी ने बताया कि साइबर सेल के माध्यम से फर्जी आईडी एड्रेस की जांच कराई जाएगी और फजीर्वाड़े में शामिल लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। कुंडा तहसील में 65,924 लाभार्थी अभी भी जांच के दायरे में हैं। इनके अभिलेखों का सत्यापन किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार सत्यापन के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि कितने लाभार्थी वास्तव में पात्र हैं और कितने अभिलेख फर्जी हैं। मामले में अब पुलिस जांच के साथ-साथ साइबर स्तर पर भी पड़ताल शुरू होने से फर्जी पंजीकरण कराने वाले लोगों और इसमें शामिल अन्य जिम्मेदारों पर कार्रवाई की उम्मीद है।

तीव्र मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलटा सीमेंट लदा टेंपर, चालक की मौत

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सनई/सिद्धार्थनगर। सदर थाना क्षेत्र के सनई-पकड़ी मार्ग पर प्राथमिक विद्यालय डुमरिया के सामने रविवार तड़के करीब तीन बजे सीमेंट लदा टेंपर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में वाहन चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान हरिशंकर निवासी सरदार पटेल नगर, उसका राजा, थाना उसका बाजार के रूप में हुई।

बताया गया कि हरिशंकर चिल्हिया स्थित मिक्सर प्लांट से टेंपर संख्या यूपी15एचटी9487 में सीमेंट का घोल लेकर उसका बाजार की ओर जा रहे थे। प्राथमिक विद्यालय डुमरिया के सामने तीव्र मोड़ पर अचानक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक वाहन के नीचे दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की जानकारी मिलते ही मृतक के पुत्र आशीष साहनी समेत अन्य परिजन मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है। क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान ने बताया कि सनई-पकड़ी मार्ग पर प्राथमिक विद्यालय डुमरिया के पास सीमेंट लदा टेंपर अनियंत्रित होकर पलट गया था। दुर्घटना में चालक की मौके पर मृत्यु हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। दुर्घटना के कारणों की भी जांच की जा रही है।

एआईसीसी ऑब्जर्वर चेतन चौहान ने की कांग्रेस की समीक्षा बैठक, कार्यकर्ताओं से लिया फीडबैक

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जिला कांग्रेस कमेटी हापुड़ के कार्यालय पर रविवार को 'संगठन सृजन अभियान' के तहत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय पर्यवेक्षक चेतन चौहान, पीसीसी पर्यवेक्षक रिजवान कुरैशी, नरेंद्र चौहान और पंकज तेजानिया पहुंचे। कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने पर्यवेक्षकों का फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया। राष्ट्रीय पर्यवेक्षक चेतन चौहान ने जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, ब्लॉक अध्यक्षों तथा गढ़ और पिलखुवा नगर अध्यक्षों से अलग-अलग बातचीत की। बंद कमरे में चार-चार कार्यकताओं से संवाद कर जिलाध्यक्ष और शहर अध्यक्ष पद को लेकर उनकी राय, सुझाव और विचार सुने गए। इस दौरान कई कार्यकताओं ने पर्यवेक्षकों को अपने आवेदन पत्र भी सौंपे।कार्यकताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय पर्यवेक्षक चेतन चौहान ने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में पार्टी को मजबूत करना और सत्ता में वापसी करना है। इसी उद्देश्य से प्रदेश के सभी जनपदों में जाकर कार्यकताओं की राय ली जा रही है। उन्होंने कहा कि हापुड़ में जिलाध्यक्ष और शहर अध्यक्ष के चयन को लेकर कार्यकताओं से प्राप्त सुझावों और राय को पार्टी नेतृत्व तक पहुंचाया जाएगा। अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व द्वारा ही लिया जाएगा।चेतन चौहान ने बताया कि अब तक जिलाध्यक्ष पद के लिए 9 और शहर अध्यक्ष पद के लिए 5 लोगों ने आवेदन किया है। जल्द ही पार्टी नेतृत्व द्वारा नए जिलाध्यक्ष और शहर अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी।कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी और शहर अध्यक्ष इरफान अहमद ने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा जो भी निर्णय लिया जाएगा, वह उन्हें स्वीकार्य होगा और वे संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करते रहेंगे। बैठक में पूर्व धौलाना विधानसभा प्रत्याशी पंडित अरविंद शर्मा, पिलखुवा नगर अध्यक्ष रजनीश त्यागी, डॉ. वीसी शर्मा, वाईके शर्मा, डॉ. फराहीम, सुशील शास्त्री, सुबोध शास्त्री, पूरनमल आनंद, हर्ष कुमार सिरोही, एडवोकेट शहजादा चौधरी, कामरान खान, पवन कौशिक, लाल बहादुर, मोहम्मद नफीस, सुधीर शर्मा, इकबाल प्रधान, गौरव गर्ग, नरेश भाटी, मौसियां खान, आदेश शर्मा, बॉबी त्यागी, कपिल शर्मा, जितेंद्र नागर, एजाज अहमद, रईस अन्नू, आकाश त्यागी, राहुल शर्मा, खुशनुद अली, सचिन गुर्जर, रामप्रसाद जाटव, आईसी शर्मा, सीमा शर्मा, प्रवीण शर्मा, सविता गौतम, कुसुम लता, चेतन यादव, चौधरी पंकज शर्मा, मनोज शर्मा, कय्यूम सलमानी, मोहम्मद परवेज, जितेंद्र सिंह, सरला देवी, मनीष त्यागी, निसार अहमद, जस्सा सिंह, डॉ. महबूब, ऋषि निषाद, तहमीना, संदीप त्यागी, सोहेल अंसारी, प्रेम कुमार, तबसीर, अनूप कर्दम, रामलाल आर्य, यूसुफ हवारी, एडवोकेट फुरकान, एडवोकेट गुलफाम, यशपाल ढीलोर, सुखपाल गौतम, घनश्याम सिंह, सीएल शर्मा, गोपाल भारती, महबूब अली आदि मौजूद रहे।

मुरादाबाद कांवड़ यात्रा में शगुन डीजे ने मचाई धूम

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

मुरादाबाद। भव्य कांवड़ यात्रा के दौरान इस बार श्रद्धालुओं के बीच भक्ति और उत्साह के साथ संगीत का भी जबरदस्त रंग देखने को मिला। कांवड़ यात्रा में शगुन डीजे की शानदार प्रस्तुति ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया। दमदार धुनों, शानदार साउंड और आकर्षक संगीत के बीच कांवड़ यात्री और युवा जमकर झूमते नजर आए। शगुन डीजे की टीम ने कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की पसंद और माहौल के अनुरूप संगीत प्रस्तुत किया। जैसे ही डीजे की तेज और जोशीली धुनें गूंजतीं, कांवड़ यात्रियों में उत्साह और बढ़ जाता। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और युवाओं ने संगीत का आनंद लेते हुए जमकर नृत्य किया। यात्रा मार्ग पर मौजूद लोगों ने भी शगुन डीजे की प्रस्तुति की सराहना की। कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का कहना था कि शगुन डीजे की शानदार प्रस्तुति ने यात्रा के उत्साह को और बढ़ा दिया। बेहतरीन साउंड क्वालिटी और आकर्षक प्रस्तुति के चलते शगुन डीजे ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। यात्रा के दौरान युवाओं में विशेष रूप से उत्साह देखने को मिला और डीजे की धुनों पर पूरा माहौल जोश से भर गया। शानदार प्रस्तुति और बेहतरीन साउंड के लिए शगुन डीजे को कांवड़ यात्रा में नंबर-1 डीजे के रूप में सराहना मिली। टीम की प्रस्तुति को लेकर श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह दिखाई दिया। आयोजकों और यात्रा में शामिल लोगों ने शगुन डीजे टीम की मेहनत और प्रस्तुति की प्रशंसा की। शगुन डीजे टीम की ओर से कांवड़ यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं, कांवड़ यात्रियों और शिवभक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। टीम ने सभी श्रद्धालुओं की यात्रा मंगलमय होने और भगवान भोलेनाथ से सभी के सुख-समृद्धि की कामना की।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' की ताकत और आवश्यकता पर दिया जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार के प्राचीन अवधूत मण्डल आश्रम में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने संत समागम को सम्बोधित करते हुए ₹एक राष्ट्र-एक चुनाव₹ की ताकत और आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बार-बार होने वाले चुनावों को देश की प्रगति के लिए बाधक बताते हुए संत समाज से इस संवैधानिक परिवर्तन के लिए जनजागरण का आह्वान किया। कार्यक्रम में मौजूद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी केंद्रीय मंत्री के साथ जुड़ कर समर्थन व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उठाए गए इस आग्रह और संकल्प का खुलकर समर्थन करते हुए 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' की परिकल्पना को देश हित में आवश्यक करार दिया। उन्होंने कहा कि लगातार चुनावों के कारण स्कूलों में पढ़ाई रुकती है, प्रशासनिक मशीनरी चुनाव की तैयारियों में लग जाती है और विकास कार्यों की गति धीमी पड़ जाती है। उन्होंने कहा कि यदि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ हों तो संसाधनों की बचत होगी, चुनाव सम्बंधी समय की बचत होगी और प्रशासनिक ध्यान विकास पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने वंदे मातरम के पूरे स्वरूप का समर्थन करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि यह गीत देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है, न कि किसी पार्टी या समुदाय का। उन्होंने कहा कि जब संतों की आवाज से जनजागरण होगा, तो कोई भी वंदे मातरम के पूरे गान का विरोध करने का साहस नहीं कर पाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' राजनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्रहित, सुशासन, जनकल्याण और देश के संसाधनों के बेहतर उपयोग से जुड़ा राष्ट्रीय विषय है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और चुनाव लोकतंत्र में पर्व के समान हैं, लेकिन निरंतर चलने वाली चुनावी प्रक्रिया का प्रभाव शासन और विकास कार्यों पर भी पड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' के विषय को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाते हुए इसे आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए विकास की निरंतर गति आवश्यक है। आज भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और ऐसे समय में शासन का अधिकतम समय विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना से जुड़े कार्यों पर लगना चाहिए। मुख्यमंत्री ने पूज्य संत-महात्माओं से इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषय पर समाज का मार्गदर्शन करने का आग्रह करते हुए कहा कि भारत की सनातन परंपरा में संत समाज ने सदैव राष्ट्र और समाज को दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि लोकतंत्र मजबूत हो, विकास निरंतर हो, संस्कृति सुरक्षित हो और राष्ट्र सर्वोपरि रहे।

गोवर्धन में स्वच्छता का महा-अभियान : 22वें रविवार को खंबा न. 540 से 550 तक चमकाया परिक्रमा मार्ग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। बृज की पावन धरा गोवर्धन को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए बाबा कदेरा सिंह आवासीय विद्या मंदिर, अक्खा का संकल्प लगातार जारी है। इसी क्रम में संस्था द्वारा चलाए जा रहे तृतीय चरण के स्वच्छता जागरूकता अभियान का 22वाँ रविवार बड़े उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। सुबह 7 बजे परिक्रमा मार्ग के खंभा नं. 540 से 550 तक विद्यालय परिवार ने झाड़ू सेवा संभाली। अभियान की शुरूआत चेयरमैन सुरेश सिंह ने झाड़ू लगाकर की। देखते ही देखते 25 सेवकों ने 20 झाडुओं से पूरे मार्ग को चमका दिया। कई परिक्रमार्थी भी इस सेवा में जुड़ गए। चेयरमैन सुरेश सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ बच्चों को पढ़ाना नहीं, बृज को स्वच्छ रखना भी है। ये सेवा पिछले कई सालों से हर रविवार बिना रुके चल रही है। 'रुकेगा नहीं अब, फिर से गोवर्धन में सफाई अभियान' यही हमारा मंत्र है। प्रबंधक प्रहलाद सिंह ने कहा कि परिक्रमा मार्ग करोड़ों लोगों की आस्था है। प्रशासन के साथ-साथ हर श्रद्धालु को इसमें सहयोग करना चाहिए। इस दौरान शिक्षा निदेशक एस.वी. सिंह, प्राचार्य रामबाबू, रुक्मेश सिंह, डॉ. अशोक, विपिन सिंह, ओमप्रकाश, हरिओम सहित रामानंद, दाऊ जी, उद्यम, जगदीश, पंडित, ऋषि पंडित, भगत जी और कई स्थानीय श्रद्धालु मौजूद रहे।

प्रेस क्लब संतकबीरनगर की बैठक में पांच सदस्यीय कोर कमेटी गठित

मु. परवेज अख्तर/ वेलकम इंडिया

संतकबीरनगर। प्रेस क्लब संतकबीरनगर की आवश्यक बैठक रविवार को स्थानीय लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन परिसर में प्रेस क्लब अध्यक्ष पवन कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार राहुल राय की माता, पत्रकार जीएल वेदांती और पत्रकार गुलाम अली के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

बैठक में प्रेस क्लब भवन के निर्माण के लिए प्रभावी पैरवी करने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही पत्रकारों के बैठने और संगठन की गतिविधियों के संचालन के लिए प्रेस क्लब कार्यालय हेतु अस्थायी भवन उपलब्ध कराने के संबंध में जिलाधिकारी से मुलाकात कर मांग रखने का निर्णय लिया गया। इसके लिए शीघ्र ही प्रेस क्लब का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मुलाकात करेगा। संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रेस क्लब की बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही प्रेस क्लब का दायरा बढ़ाने और अधिक से अधिक पत्रकारों को संगठन से जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान चलाने पर सहमति बनी। सदस्यता अभियान को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए बैठक में सर्वसम्मति से पांच सदस्यीय कोर कमेटी का गठन किया गया। इसमें वरिष्ठ पत्रकार राहुल राय, पंकज गुप्ता, रमेश कुमार शर्मा, उज्जवल त्रिपाठी और वीरेंद्र यादव को शामिल किया गया। कोर कमेटी की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार राहुल राय करेंगे। बैठक में राहुल राय को प्रेस क्लब का कार्यकारिणी अध्यक्ष भी नामित किया गया। वह अध्यक्ष की अनुपस्थिति में महामंत्री रमेश कुमार शर्मा के साथ बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रेस क्लब के नए सदस्य बनाए जाने वाले प्रत्येक पत्रकार से 501 रुपये सदस्यता शुल्क लिया जाएगा। संगठन की सदस्यता प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संचालित करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में राजेश पांडेय, एसके सिंह, शोभित पांडेय, रमेश शर्मा, पंकज गुप्ता, अब्दुल मजीद अंसारी, राकेश पाठक, वीरेंद्र यादव, साहिल खान, विकास उपाध्याय, धनुष पांडेय, उज्जवल त्रिपाठी, सदरे आलम, जितेंद्र पाठक, कृष्ण अग्रहरी, राजेश कुमार, केदारनाथ दुबे, गणेश कथा चौरसिया, शोहरत अली अंसारी, मोहम्मद सईद पठान, अनिल कुमार यादव, शैलेंद्र मणि त्रिपाठी, दिलीप पांडेय, आनंद कुमार तिवारी, विजय मिश्रा और रितेश कुमार उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

आगरा-मथुरा हाईवे पर तीन कुंतल गांजा बरामद, तस्करी में इस्तेमाल ट्रक और कार पकड़ी गई

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। आगरा-मथुरा हाईवे पर नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब तीन कुंतल गांजा बरामद किया है। पुलिस ने गांजे की तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे एक ट्रक और एक कार को भी कब्जे में लिया है। कार्रवाई रैपुरा जाट के पास की गई। जानकारी के अनुसार पुलिस को गांजा तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आगरा-मथुरा हाईवे पर रैपुरा जाट के समीप चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध वाहनों को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान भारी मात्रा में गांजा बरामद होने से पुलिस टीम के भी होश उड़ गए। पुलिस के मुताबिक बरामद गांजे का वजन करीब तीन कुंतल है। गांजे को तस्करी कर ले जाने के लिए ट्रक का इस्तेमाल किया जा रहा था, जबकि एक कार भी तस्करी के नेटवर्क से जुड़ी मिली। दोनों वाहनों को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने गांजा तस्करी में शामिल संदिग्ध आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पूछताछ के जरिए पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गांजे की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां सप्लाई किया जाना था।

निःसंतानता से पीड़ित और आर्थिक रूप से कमजोर दंपतियों के लिए निःशुल्क आईवीएफ योजनाएं वरदान समान हैं: डॉ. नेहा सिंह

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। रविवार को विकास खण्ड सेमरियावॉ के लाइफ लाइन हॉस्पिटल एंड अल्ट्रासाउंड सेंटर सेमरियावॉ में नोवा आईवीएफ निः शुल्क निः संतानता परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। सेमरियावॉ के लाइफ लाइन हॉस्पिटल एंड अल्ट्रासाउंड सेंटर सेमरियावॉ में नोवा आईवीएफ निः शुल्क निः संतानता परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी गोरखपुर के सीनियर कंसलटेंट डॉ. नेहा सिंह ने कहा कि निःसंतानता से पीड़ित और आर्थिक रूप से कमजोर दंपतियों के लिए निःशुल्क आईवीएफ योजनाएं वरदान समान हैं। यह महंगा इलाज गरीबों को बिना धन की चिंता के माता-पिता बनने का अवसर देता है, जिससे समाज में मानसिक तनाव कम होता है और परिवार पूर्ण होते हैं। प्राकृतिक रूप से गर्भधारण में असफल दंपतियों को माता-पिता बनने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि फैलोपियन ट्यूब बंद होने या शुक्राणु की कमी जैसी समस्याओं का समाधान होता है। जेनेटिक जांचः भ्रूण की आनुवंशिक बीमारियों से सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। गरीब परिवारों को भी अमीर लोगों की तरह इलाज का हक मिलता है।तनाव मुक्तिः महंगे खर्च के कारण होने वाले कर्ज और मानसिक अवसाद से राहत मिलती है।सरकारी सहायताः कुछ राज्य सरकारें और अस्पताल बांझपन के इलाज हेतु रियायती या मुफ्त सुविधाएं प्रदान करते हैं। एमडी डॉ. शाहरुख अहमद सिद्दीकी ने कहा कि इस तरह के शिविर का आयोजन का मुख्य उद्देश्य यह है कि निः संतानता से पीड़ित दम्पति को उचित और बेहतर परामर्श देकर उन्हें चिंता मुक्त करना है। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में लोगों ने पहुंचकर शिविर का लाभ उठाया। इस दौरान स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. तरन्नुम सिद्दीकी , कंसलटेंट एंड आईवीएफ स्पेशलिस्ट डॉ. अंकिता राज, एमडी डॉ. शाहरुख अहमद सिद्दीकी, डॉ. श्वेता राय, अतीकुर्रहमान, अब्दुर्रहमान सिद्दीकी आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

दो अवैध पिस्टल और मैगजीन के साथ युवक गिरफ्तार, लखनऊ में सप्लाई करने की थी तैयारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने अवैध हथियारों की तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से दो अवैध पिस्टल .32 बोर, दो अतिरिक्त मैगजीन, मोबाइल फोन, पिट्ठू बैग, कपड़े और 500 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दुबे और एसओजी प्रभारी रजनीश राय के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर रात में हनुमान मंदिर, एनएच-28 रसूलाबाद तिराहा के पास घेराबंदी कर अभियुक्त चन्द्रप्रकाश सिंह उर्फ चन्दन सिंह पुत्र प्रेमसागर सिंह निवासी ग्राम बढ़या ठाठर, थाना मेहदावल, जनपद संतकबीरनगर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के पास से दो अवैध पिस्टल .32 बोर मय मैगजीन, दो अतिरिक्त मैगजीन .32 बोर, एक मोबाइल फोन, एक पिट्ठू बैग, कपड़े और 500 रुपये नकद बरामद हुए। इस संबंध में कोतवाली खलीलाबाद में अभियुक्त के खिलाफ मुकदमा संख्या 783/2026 धारा 3/25 आयुध अधिनियम 1959 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि बरामद दोनों पिस्टल और मैगजीन उसके दो साथियों ने उसे लखनऊ पहुंचाने के लिए दिए थे। उसे निर्देश दिया गया था कि इंस्टाग्राम के माध्यम से बताए गए व्यक्ति को हथियार सौंपना है, जिसके बदले मिलने वाले पैसे को आपस में बांट लिया जाएगा। अभियुक्त हथियार लेकर लखनऊ जाने की फिराक में था, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

गार्ड की बेटी लाई दूसरी बार गोल्ड, अब खेलेगी नेशनल, आगामी नेशनल प्रतियोगिता मध्य प्रदेश में होगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/वृंदावन। अंडर 14 की प्रदेश कबड्डी प्रतियोगिता में गार्ड की बेटी राधिका परिहार ने दूसरी बार गोल्ड मेडल लाकर हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती बालिका विद्या मंदिर वृंदावन मथुरा का प्रदेश स्तर पर नाम रोशन किया। रामकृष्ण मिशन चेरिटेविल हॉस्पिटल वृंदावन में एक गार्ड के पद पर कार्यरत है, बेटी के अच्छे प्रदर्शन और नेशनल में खेलने को चयन पर भारी उत्साहित है। सूरजभान सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज शिकारपुर बुलंदशहर में प्रदेश भर से आये खिलाड़ियों,कोच और खेल प्रेमियों का राधिका परिहार ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का मन मोह और तालियों की गड़गड़ाहट से जीता दिल जिससे भारी उत्साहित दिखी राधिका। अच्छे प्रदर्शन और नेशनल में विद्यालय की बालिका के पर चयन पर प्रधानाचार्य रजनी गुप्ता ने अपने कोच भावना सिंह, सुमन यादव, सुनील सिंह को सम्मानित कर बधाई दी। बल्देव क्षेत्र के गांव बरौली की राधिका परिहार निवासी है इनके बाबा भारत केशरी सूरज पहलवान बच्चन पहलवान नातिन के अच्छे प्रदर्शन से उत्साहित हैं और क्षेत्र में खुशी की लहर है। स्वच्छ भारत' का संदेश देते हुए व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वच्छ पानी के उपयोग तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संकल्प दिलाया गया। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि स्वस्थ समाज की नींव स्वस्थ बच्चों से बनती है और प्रत्येक बच्चे को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल मिलना आवश्यक है। विद्यालय परिवार ने इस सेवा के लिए रेवतीबेन नानजीभाई रामोलिया एवं अभय चरण फाउंडेशन, वृन्दावन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रबंधक सुजान सिंह, बीके सिसोदिया, सीपी शर्मा, मोनू सिसोदिया, जितेंद्र राणा आदि मौजूद थे।

मिड-डे मील रसोइयों को योगी सरकार का तोहफा, मानदेय 2000 से बढ़ाकर 3000 रुपये प्रतिमाह

कैशलेस चिकित्सा सुविधा, 2 लाख रुपये सामाजिक सुरक्षा और ड्रेस/साड़ी राशि में भी हुई वृद्धि

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित समारोह में प्रदेश के बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में कार्यरत मिड-डे मील रसोइयों के लिए चार बड़ी योजनाओं की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने रसोइयों का मानदेय 2000 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 3000 रुपये प्रतिमाह करने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्हें मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा सुविधा से जोड़ने का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने रसोइयों को ड्रेस/साड़ी के लिए मिलने वाली वार्षिक धनराशि को 500 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये करने की भी घोषणा की। इसके अलावा प्रदेश के 3 लाख 53 हजार से अधिक रसोइयों को 2 लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा देने के लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू का हस्तांतरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने रसोइयों को मानदेय वृद्धि, मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा योजना का प्रतीकात्मक चेक, चिकित्सा कार्ड और ड्रेस किट प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने प्रदेश की सभी रसोइयों को बधाई देते हुए कहा कि रसोइयां बहनें प्रदेश के 1 करोड़ 46 लाख से अधिक बच्चों के लिए निर्धारित मीनू के अनुसार पौष्टिक और स्वच्छ भोजन तैयार करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ भोजन से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायता मिलती है। उन्होंने कोरोना काल में रसोइयों के योगदान की भी सराहना की। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण संतकबीरनगर के कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित रसोइया सम्मान समारोह के दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों और रसोइयों ने देखा और सुना। इस अवसर पर जिलाधिकारी आलोक कुमार, मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी और विधायक खलीलाबाद प्रतिनिधि मुरलीधर जायसवाल की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनपद में कार्यरत 3189 रसोइयों को सरकार की इन योजनाओं का लाभ मिलेगा। विधायक प्रतिनिधि, जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी ने रसोइयों को मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा योजना का प्रतीकात्मक कार्ड एवं शॉल/अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित सबसे बुजुर्ग और सबसे कम उम्र की रसोइयों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

जिलाधिकारी आलोक कुमार ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की जिम्मेदारी निभाने में रसोइयों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रसोइया मां की तरह बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखती हैं। उन्होंने सभी रसोइयों से अपील की कि वे पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन तैयार करें, रसोईघर की साफ-सफाई बनाए रखें और भोजन की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में शिक्षा व्यवस्था में किए जा रहे सुधारों का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2017 से अब तक कायाकल्प, प्रोजेक्ट अलंकार और निपुण भारत अभियान जैसी योजनाओं के माध्यम से विद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं में बड़ा सुधार हुआ है।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही विकसित भारत की नींव है। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी खलीलाबाद महेंद्र प्रसाद, खंड शिक्षा अधिकारी सेमरियावां आशीष सिंह, डीसी एमआईएस बजरंगी लाल, जिला समन्वयक रजनीश वैद्य सहित बड़ी संख्या में रसोइया बहनें और अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वच्छ जल की पहल: दलौता के श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज में आरओ मशीन स्थापित

मथुरा/चौमुंहा (वेलकम इंडिया)। अभय चरण फाउंडेशन, वृन्दावन द्वारा रेवतीबेन नानजीभाई रामोलिया के सहयोग से श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज, दलौता के विद्यार्थियों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जल शुद्धिकरण मशीन भेंट की। यह सेवा दानदाता के माध्यम से विद्यालय को प्रदान की।आरओ मशीन की सौगात पाकर विद्यालय के बच्चों में हर्ष और उत्साह देखने को मिला। संस्था के चेयरमैन नर नारायण दास, उप चेयरमैन केशव जेना तथा सदस्य सुन्दर कृष्ण दास और उज्ज्वल ने विद्यालय में उपस्थित होकर बच्चों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के महत्व के बारे में जागरूक किया। बच्चों को 'स्वच्छ गाँव–स्वच्छ भारत' का संदेश देते हुए व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वच्छ पानी के उपयोग तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संकल्प दिलाया गया। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि स्वस्थ समाज की नींव स्वस्थ बच्चों से बनती है और प्रत्येक बच्चे को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल मिलना आवश्यक है। विद्यालय परिवार ने इस सेवा के लिए रेवतीबेन नानजीभाई रामोलिया एवं अभय चरण फाउंडेशन, वृन्दावन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रबंधक सुजान सिंह, बीके सिसोदिया, सीपी शर्मा, मोनू सिसोदिया, जितेंद्र राणा आदि मौजूद थे।

सामाजिक अधिकारिता शिविर में 192 दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकों को बांटे गये सहायक उपकरण

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। गन्ना कृषक महाविद्यालय में रविवार को सामाजिक अधिकारिता शिविर के अवसर पर निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्र के लोग मौजूद रहे। शिविर के दौरान कुल 192 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को कृत्रिम एवं सहायक उपकरण निःशुल्क वितरित किए गए।सहायक उपकरण पाकर लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। उपकरणों में जरूरत के अनुसार विभिन्न प्रकार के सहायक साधन शामिल रहे, जिनसे दिव्यांगजनों एवं बुजुर्गों को दैनिक कार्यों में काफी सुविधा मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को सरकार की ओर से संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।वक्ताओं ने कहा कि दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिक समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्हें सहारा और सम्मान देना सभी की जिम्मेदारी है। सरकार की ओर से ऐसे शिविर आयोजित कर जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उपकरणों के माध्यम से लाभार्थियों की रोजमर्रा की परेशानियां कम होंगी और वे अधिक आत्मविश्वास के साथ अपने कार्य कर सकेंगे।उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों ने भी पात्र लोगों से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। शिविर में मौजूद लाभार्थियों ने सहायक उपकरण मिलने पर खुशी जताई और इसे उनके लिए उपयोगी बताया। कई लाभार्थियों ने कहा कि उपकरण मिलने से उन्हें आने-जाने और दैनिक जीवन के कार्यों में सहूलियत मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में सेवा, सम्मान और सहयोग की भावना के साथ जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए ऐसे शिविर आगे भी आयोजित किए जाने पर जोर दिया गया। आयोजन को लेकर क्षेत्र के लोगों ने भी सराहना की।

बूथ स्तर पर सँगठन की मजबूती के लिए कार्य करें कार्यकर्ता: बलवंत सिंह भौर्याल

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष प्रभा गढ़िया की अध्यक्षता में बूथ सशक्तिकरण कार्यशाला आयोजित हुई ।जिसमें मुख्य वक्ताके रूप में विशिष्ट आमंत्रित सदस्य एवं जिले में भाजपा सँगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पूर्व कैबिनेट मंत्री बलवंत सिंह भौर्याल ने कार्यकताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी बनाने का आह्वान किया। कार्यशाला में शक्ति केंद्र में बैठक एवं बूथ सदस्यों के सत्यापन एवं एवं प्रत्येक मंडल अध्यक्षों की उपस्थिति में समीक्षा की गई इसके उपरांत सभी सभी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों को सम्मानित भी किया गया ।कार्यशाला में शक्ति केंद्रों पर हुई बैठकों, बूथ सदस्यों के सत्यापन तथा मंडल अध्यक्षों की मौजूदगी में हुई समीक्षा की जानकारी ली गई। बूथ सशक्तिकरण अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। जिला महामंत्री घनश्याम जोशी अभियान के जिला प्रभारी रहे। कार्यशाला में पूर्व जिपं अध्यक्ष बसंती देव व पूर्व जिपं अध्यक्ष दीपा आर्य पूर्व जिला महामंत्री सुरेश कांडपाल को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला कार्यक्रम सहसंयोजक राजेंद्र राठौर जिला महामंत्री संजय परिहार अनुसूचित मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष मथुरा प्रसाद संजय शाह जगाती, विमला कपकोटी जिला उपाध्यक्ष जीवंती कांडपाल जिला मीडिया प्रकाश शाह एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पांच बच्चों की मां एक बच्चे सहित लापता

कांधला (वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के सलेमपुर मार्ग निवासी एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में अपने एक छोटे बच्चे सहित घर से लापता हो गई। परिजनों ने महिला और बच्चे की काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद पति ने थाने में तहरीर देकर अनहोनी की आशंका जताई है ।और अपनी पत्नी को बरामद करने की गुहार लगाई है ।रविवार को सलेमपुर मार्ग निवासी गालिब ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी पत्नी गुलशन बीती रात अपने एक छोटे बच्चे को साथ लेकर अचानक घर से लापता हो गई। गुलशन पांच बच्चों की मां है। महिला के अचानक लापता होने पर परिवार में चिंता का माहौल है। परिजनों और रिश्तेदारों ने आसपास के संभावित स्थानों के अलावा परिचितों के यहां भी तलाश की, लेकिन महिला और बच्चे का कोई पता नहीं चल सका ।पीड़ित पति ने पुलिस से पत्नी और बच्चे की जल्द तलाश कर सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर महिला और बच्चे की तलाश शुरू कर दी है ।थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि पीड़ित की ओर से मिली तहरीर के आधार पर लापता महिला और बच्चे की तलाश की जा रही है। जल्द ही दोनों को सकुशल बरामद कर परिजनों को सपुर्द किया जायगा।

रेशम किसानों के लिए कार्यशाला एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शन आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। 'मेरा रेशम, मेरा अभिमान' कार्यक्रम के अंतर्गत बागेश्वर के रैथल एवं घिरौली ग्रामों में रेशम किसानों के लिए कार्यशाला एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य रेशम किसानों को नवीनतम तकनीकों एवं शोध संस्थानों द्वारा विकसित विभिन्न नवाचारों की जानकारी उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक समाधान सुझाना रहा। कार्यक्रम के दौरान अनुसंधान संस्थानों द्वारा विकसित विभिन्न नवीन तकनीकों एवं नवाचारों का किसानों के समक्ष प्रदर्शन किया गया। वैज्ञानिकों एवं तकनीकी विशेषज्ञों ने किसानों से संवाद कर रेशम उत्पादन से संबंधित उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना तथा उनके निराकरण के लिए आवश्यक सुझाव एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया ।वही काश्तकारों को रेशम उत्पादन बढ़ाने को लेकर जागरूक किया गया। केंद्रीय रेशम बोर्ड एवं राज्य रेशम विभाग, उत्तराखंड के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में डॉ. विक्रम कुमार, वैज्ञानिक के.एस.चौहान, वरिष्ठ तकनीकी सहायक बृजेश रतूड़ी, जिला नोडल अधिकारी कमलेश कुमार, ब्लॉक नोडल अधिकारी ने सहभागिता की। कार्यक्रम में ग्राम प्रधानों ने भी सक्रिय भागीदारी करते हुए क्षेत्र में रेशम उत्पादन से जुड़ी स्थानीय परिस्थितियों, किसानों की आवश्यकताओं एवं समस्याओं को वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों के समक्ष रखा। वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को रेशम पालन एवं उत्पादन में आधुनिक तकनीकों को अपनाने, बेहतर प्रबंधन तथा उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग के संबंध में उपयोगी सुझाव दिए गए। किसानों को अनुसंधान संस्थानों द्वारा विकसित नवीन तकनीकों का लाभ उठाकर रेशम उत्पादन को अधिक प्रभावी एवं लाभकारी बनाने के लिए प्रेरित किया गया ।अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाओं एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों का उद्देश्य अनुसंधान से खेत तक नवीन तकनीकों का लाभ पहुँचाना, किसानों की समस्याओं का समाधान करना तथा रेशम उत्पादन को अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बनाना है ।कार्यक्रम में रेशम किसानों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। किसानों ने वैज्ञानिकों से रेशम उत्पादन से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की तथा कार्यक्रम को उपयोगी बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संबंधित विभागीय अधिकारियों, ग्राम प्रधानों एवं स्थानीय रेशम किसानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

झमाझम बारिश से बदला मौसम, उमस भरी गर्मी से मिली राहत

वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी

कांधला। क्षेत्र में रविवार को अचानक झमाझम बारिश शुरू होने से मौसम का मिजाज बदल गया। कई दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को बारिश के बाद काफी राहत मिली। बारिश के साथ ही तापमान में गिरावट आने से मौसम सुहावना हो गया और लोगों ने ठंडक महसूस की ।सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे। दोपहर बाद तेज बारिश शुरू हो गई। कुछ देर तक हुई तेज बारिश के कारण नगर के कई निचले इलाकों और सड़कों पर पानी भर गया। सड़क पर जलभराव होने से राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा ।वहीं, कच्ची सड़कों पर बारिश का पानी भरने से रास्तों पर कीचड़ फैल गया। इससे पैदल आने-जाने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। कई स्थानों पर लोगों को पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ा। पिछले कई दिनों से उमस और चिलचिलाती गर्मी के कारण लोग बेहाल थे। बारिश शुरू होते ही मौसम में ठंडक घुल गई। लोगों ने बारिश का आनंद लिया और गर्मी से राहत मिलने पर राहत की सांस ली। किसानों के लिए भी बारिश को राहत भरा माना जा रहा है।

किसान, नौजवान और मजदूरों की आवाज बनेगी सपा: धनपति वर्मा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरखेड़ा/पीलीभीत। रविवार को समाजवादी पार्टी के नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा ने बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र-128 के विभिन्न गांवों में व्यापक जनसंपर्क एवं भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं, विकास कार्यों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से संवाद किया। गांवों में पहुंचने पर कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया तथा क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया।

धनपति वर्मा ने रम्पुरा, रतनपुत, मुढिया, करीमगंज, रतनपुरी झाला, सैजनिया, सैजना, रूपपुर, मरौरी, पुरवाभूड़ा, बसन्तापुर, खाईखेड़ा, अमीन नगर, मोहनपुर छोटा, मोहनपुर बड़ा, तुर्कपुरी, बिचपुरी, टण्डोली और बल्देवपुर सहित विभिन्न गांवों का भ्रमण किया। उन्होंने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाने का भरोसा दिलाया ।इस अवसर पर धनपति वर्मा एडवोकेट ने कहा कि क्षेत्र की जनता से निरंतर संवाद करना और उनकी समस्याओं को समझना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव पहुंचकर लोगों से मिलना, उनकी परेशानियों को करीब से सुनना और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करना ही सच्ची जनसेवा है। जनता की समस्याओं की जानकारी सीधे ग्रामीणों से मिलने पर ही वास्तविक स्थिति का पता चलता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा किसानों, नौजवानों, मजदूरों, महिलाओं और आम जनता के हितों की आवाज मजबूती से उठाती रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर पार्टी लगातार संघर्ष करती रहेगी ।धनपति वर्मा ने कार्यकताओं से भी आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद बढ़ाएं और उनकी समस्याओं को संगठन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में समाजवादी पार्टी के संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा। साथ ही क्षेत्र की जनता के बीच लगातार सक्रिय रहकर जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा ।जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों और पार्टी कार्यकताओं में उत्साह देखने को मिला। धनपति वर्मा ने कहा कि जनता का विश्वास ही सबसे बड़ी ताकत है और इस विश्वास को मजबूत करने के लिए वह निरंतर क्षेत्र में सक्रिय रहेंगे।

कीचड़ से होकर स्कूल जाने को मजबूर बच्चे, वीडियो वायरल

कांधला (वेलकम इंडिया)। विकासखंड क्षेत्र की देहात कॉलोनी इलयास नगर में कच्ची सड़क पर फैले कीचड़ के कारण स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच स्कूली बच्चों के कीचड़ से होकर गुजरने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रविवार को रहमान नाम के व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने अपने घरों के बाहर अतिक्रमण कर रखा है, जिसके चलते कच्ची सड़क पर पानी और कीचड़ जमा हो रहा है। रोजाना स्कूली बच्चे इसी रास्ते से होकर स्कूल जाने को मजबूर हैं। कीचड़ के कारण बच्चों के साथ ही राहगीरों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ।स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं कराया गया। लोगों का कहना है कि अधिकारी और जनप्रतिनिधि समस्या के निस्तारण को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। इसके चलते कॉलोनी के लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से सड़क की समस्या का जल्द निस्तारण कराने और अतिक्रमण हटवाने की मांग की है।

फतेहपुर सीकरी में पुलिस अधिकारियों की बैठक, आगामी पर्वों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए गये कड़े दिशा-निर्देश

वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। आगरा में आगामी श्रावण मास के चतुर्थ सोमवार एवं बारावफात पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में प्रभारी पुलिस उपायुक्त पश्चिमी, आगरा द्वारा थाना फतेहपुर सीकरी में सहायक पुलिस आयुक्त अछनेरा एवं अछनेरा सर्कल के समस्त थाना प्रभारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक में आगामी पर्वों को लेकर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, नियमित भ्रमण करने तथा संवेदनशील स्थानों पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए छोटी से छोटी सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के दौरान थानों एवं एसीपी कार्यालयों पर होने वाली जनसुनवाई को प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाए और उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को पुलिस से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी न हो। प्रभारी पुलिस उपायुक्त पश्चिमी द्वारा विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। लंबित प्रकरणों की प्रभावी समीक्षा करते हुए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही माननीय न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों का सुचारू संचालन एवं रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने, यक्ष पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन तथा थानों में लंबित माल निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के बाद प्रभारी पुलिस उपायुक्त पश्चिमी द्वारा थाना फतेहपुर सीकरी परिसर एवं बैरिक आदि का निरीक्षण किया गया।

झालरों और रोशनी से जगमगाएंगे घर, मिलादुन्नबी की तैयारियां जोरों पर

अमरिया/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। ईद मिलादुन्नबी का पर्व नजदीक आते ही अमरिया समेत ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में तैयारियां तेज हो गई हैं ।पर्व को लेकर मुस्लिम समाज में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। घरों से लेकर गलियों और बाजारों तक सजावट की तैयारियां शुरू हो गई हैं। जगह-जगह रंग-बिरंगी झालरों, आकर्षक लाइटों और इस्लामी झंडों से सजावट की जा रही है ।ईद मिलादुन्नबी के मद्देनजर लोग अपने घरों की साफ-सफाई के साथ ही सजावट में जुटे हुए हैं। घरों की छतों, दरवाजों और आसपास के स्थानों पर इस्लामी झंडे लगाए जा रहे हैं। कई लोगों ने घरों को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाना शुरू कर दिया है। बच्चे भी पर्व को लेकर काफी उत्साहित हैं और परिजनों के साथ घरों की सजावट में हाथ बंटा रहे हैं ।पर्व की तैयारियों का असर अमरिया कस्बे के बाजारों में भी साफ दिखाई दे रहा है। दुकानों पर रंग-बिरंगी झालरें, बिजली की लाइटें, इस्लामी झंडे, सजावटी सामान और अन्य सामग्री बिक्री के लिए उपलब्ध है। पर्व को लेकर खरीदारी करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग बाजार पहुंच रहे हैं। इससे बाजारों में रौनक बढ़ गई है और दुकानदारों के चेहरे भी खिल उठे हैं ।दुकानदारों के अनुसार इस बार ग्राहक चाइनीज सामान की अपेक्षा स्वदेशी झालरों और सजावटी सामग्री को अधिक पसंद कर रहे हैं। आकर्षक डिजाइन और बेहतर रोशनी वाली झालरों की मांग अधिक है। शाम होते ही बाजारों में सजावटी सामान की दुकानों पर लोगों की भीड़ दिखाई देने लगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी ईद मिलादुन्नबी को लेकर उत्साह का माहौल है। लोग पर्व से पहले ही आवश्यक सामान की खरीदारी कर रहे हैं।

जनता का विश्वास और प्यार ही मेरी ताकत है: राजकुमार राजू

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। विधानसभा क्षेत्र 129 पूरनपुर में आगामी चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होती नजर आ रही हैं। समाजवादी पार्टी से संभावित दावेदारों की क्षेत्र में सक्रियता बढ़ने के साथ ही जनसंपर्क और जनसंवाद का दौर भी तेज हो गया है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के नेता एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा राजकुमार (राजू) ने रविवार को क्षेत्रीय भ्रमण कर ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों से मुलाकात की।

भ्रमण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों, युवाओं, किसानों, व्यापारियों और बुजुर्गों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। क्षेत्रवासियों ने सड़क, जलभराव, बिजली, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित विभिन्न जनहित के मुद्दे उनके सामने रखे। राजकुमार राजू ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता के बीच रहना, उनकी बात सुनना और उनकी उम्मीदों को आवाज देना ही समाजवादी सेवा है। पूरनपुर की जनता से उनका रिश्ता राजनीतिक नहीं, बल्कि परिवार जैसा है। जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और क्षेत्रवासियों की आवाज को मजबूती से उठाना उनकी प्राथमिकता है ।राजकुमार राजू ने कहा कि पूरनपुर की मिट्टी से उनका गहरा जुड़ाव है। क्षेत्र के लोगों के सम्मान, अधिकार और विकास के लिए वह हमेशा मजबूती से खड़े रहेंगे। राजनीति उनके लिए केवल पद हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और क्षेत्र की सेवा का अवसर है। उन्होंने युवाओं के रोजगार, किसानों की समस्याओं और क्षेत्र के विकास को लेकर भी अपनी प्रतिबद्धता जताई।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान राजकुमार राजू का सहज अंदाज में लोगों से मिलना और उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनना चर्चा में रहा। समर्थकों के अनुसार वह लगातार गांव-गांव पहुंचकर जनता से सीधा संवाद कर रहे हैं। उनकी सक्रियता के चलते विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाओं का दौर भी तेज हो गया है। राजनीतिक चर्चाओं में राजकुमार राजू का नाम समाजवादी पार्टी के संभावित प्रत्याशियों में लिया जा रहा है। हालांकि, विधानसभा 129 पूरनपुर से टिकट को लेकर अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व को करना है। फिलहाल क्षेत्र में उनकी बढ़ती सक्रियता ने सियासी माहौल को जरूर गर्म कर दिया है ।राजकुमार राजू ने कहा कि वह आगे भी जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं और अधिकारों के लिए आवाज उठाते रहेंगे। पूरनपुर का विकास, युवाओं का भविष्य और किसानों व आमजन का सम्मान उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

भवन तैयार, डॉक्टर नदारद, आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर ग्रामीणों ने हाथ उठाकर जताया विरोध

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। पूरनपुर तहसील क्षेत्र के गांव ढक्का चाट में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भवन बनने के बावजूद स्वास्थ्य सेवाएं शुरू न होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। रविवार को ग्रामीणों ने हाथ उठाकर प्रदर्शन करते हुए स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन से यहां डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर के भवन का निर्माण वर्ष 2024 में ही पूरा हो गया था, लेकिन अब तक यहां डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती नहीं की गई है। इसके चलते ग्रामीणों को मामूली से लेकर गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए करीब 30 किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य सुविधाएं शुरू कराने के लिए कई बार जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने कहा कि भवन का निर्माण होने के बाद भी स्वास्थ्य केंद्र का लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिससे सरकार की स्वास्थ्य सुविधाओं का उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा ।ग्रामीणों ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से आयुष्मान आरोग्य मंदिर में जल्द स्थायी डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति कर नियमित स्वास्थ्य सेवाएं शुरू कराने की मांग की है ।प्रदर्शन करने वालों में मनोज, वरुण अधिकारी, सुपध रकतान, हवेश मंडल, विपिन कुमार, मुन्ना प्रसाद, विनोद कुमार, बसंती सरकार, कविता अधिकारी, सुशीला मंडल सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

एआई इंसान का विकल्प नहीं, सकारात्मक उपयोग से तय होगा भविष्य : प्रो. दिनेश चंद्र राय, पारदर्शिता और मीडिया साक्षरता से मजबूत होगी विश्वसनीयता : प्रो. के.जी. सुरेश

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से एआई-संचालित मीडिया पारिस्थितिकी तंत्रः पत्रकारिता, जनसंपर्क, विज्ञापन, डिजिटल संचार और सतत मीडिया का भविष्य विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का रविवार, 23 अगस्त को समापन हुआ। अंतिम दिन विभिन्न तकनीकी सत्रों के साथ आयोजित समापन सत्र में तीन दिनों तक चले अकादमिक विमर्श का सार प्रस्तुत किया गया। संगोष्ठी में देश-विदेश से जुड़े वरिष्ठ शिक्षाविदों, कुलपतियों, मीडिया विशेषज्ञों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बदलते स्वरूप, मीडिया की विश्वसनीयता, तथ्य-जांच, डिजिटल सुरक्षा, मीडिया साक्षरता और मानवीय मूल्यों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। मुख्य वक्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, बिहार के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनेक क्षेत्रों में उपयोगी तकनीक है, लेकिन यह कभी इंसान, पत्रकार या शिक्षक का स्थान नहीं ले सकता। उन्होंने कहा कि एआई मानवीय नैतिक मूल्यों और संवेदनाओं का विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी चुनौती सच को सामने लाने की है। डीपफेक और फर्जी खबरों के बढ़ते दौर में तथ्य-जांच पत्रकारिता का अनिवार्य दायित्व बन गया है। उन्होंने शिक्षकों से छात्रों को केवल तकनीक का उपयोग सिखाने के बजाय स्वतंत्र और तार्किक चिंतन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

प्रो. राय ने विद्यार्थियों से एआई से डरने के बजाय उससे तार्किक सवाल करने और इसका सकारात्मक एवं जिम्मेदार उपयोग करने की अपील की। ऑनलाइन माध्यम से जुड़े माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और इंडिया हैबिटेट सेंटर के निदेशक प्रो. के.जी. सुरेश ने कहा कि तकनीक मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों को समाप्त नहीं कर सकती। एआई के साथ अपनी समझ और विवेक का संतुलन बनाने वाला पत्रकार ही भविष्य में प्रभावी भूमिका निभा सकेगा। उन्होंने कहा कि डेटा आज के दौर का नया ईंधन बन चुका है। ऐसे में जनसंपर्क और मीडिया के क्षेत्र में पारदर्शिता सबसे बड़ा हथियार है। एआई के युग में सबसे बड़ा संकट विश्वसनीयता का है। उन्होंने सूचना विषमता को दूर करने और स्कूली स्तर से ही मीडिया साक्षरता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि नागरिक फर्जी और भ्रामक सूचनाओं की पहचान कर सकें। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने कहा कि एआई आज नौकरियों को प्रभावित करने के साथ-साथ पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों को भी चुनौती दे रहा है। विज्ञापन, लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों में पारंपरिक तौर-तरीके तेजी से बदल रहे हैं और डेटा की भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि एआई व्यवस्था में सुशासन ला सकता है, लेकिन इसमें मानवीय संवेदनाओं की कमी है। यह तकनीक मानवीय भावनाओं को पूरी तरह समझने और महसूस करने में सक्षम नहीं हो सकती।

लद्दाख विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. साकेत कुशवाहा ने कहा कि एआई हमारे जीवन को बदलने वाला महत्वपूर्ण साधन है, लेकिन इसे मानव जीवन को नियंत्रित करने वाला माध्यम नहीं बनने देना चाहिए। इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि समाज इसका उपयोग किस दृष्टिकोण और उद्देश्य के साथ करता है। उन्होंने कहा कि एआई अब केवल बड़े संस्थानों और तकनीकी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि आम लोगों के दैनिक जीवन और घरों तक पहुंच चुका है। वहीं श्वेता पवार ने ऑनलाइन सुरक्षा और साइबर खतरों पर चर्चा करते हुए महिलाओं को ऑनलाइन उत्पीड़न और साइबर जोखिमों से बचने के लिए सतर्क रहने तथा तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के समापन पर प्रो. अनिल कुमार उपाध्याय ने सतत विकास के लिए तकनीक के समग्र और जिम्मेदार उपयोग पर जोर दिया। संगोष्ठी में प्रो. संजीव भानावत, डॉ. किंशुक पाठक, प्रो. श्रीकांत पटनायक सहित देशभर के वरिष्ठ शिक्षाविद, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समापन सत्र के दौरान स्वतंत्र पत्रकार सौरभ चौहान की ई-बुक 'बनारस, अगेन' का विमोचन भी किया गया। यह पुस्तक अमेजन किंडल पर उपलब्ध है। इस दौरान मंच पर प्रो. संजीव भानावत, प्रो. अनिल उपाध्याय, प्रो. श्रीकांत पटनायक और डॉ. किरण गुप्ता मित्तल मौजूद रहे। आयोजन सचिव डॉ. बाला लखेंद्र ने तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान आयोजित विभिन्न सत्रों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

फ्यूचर ईवी इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम का उद्घाटन

बुलंदशहर (वेलकम इंडिया)। नगर के दिल्ली जीटी रोड स्थित चांदपुर तिराहे पर पर्यावरण को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त रखने के उद्देश्य से फ्यूचर ईवी इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम का उद्घाटन किया गया। शोरूम का उद्घाटन मोहम्मद हनीफ रजा और विनोद चौहान ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर दर्जनों गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। शोरूम के संचालक मोहम्मद खालिद और उनके सहयोगी पार्टनर नीरज चौहान व दानिश सैफी ने बताया कि शोरूम खोलने का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण अनुकूल और प्रदूषण रहित परिवहन का विकल्प उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक स्कूटी पूरी तरह प्रदूषण मुक्त होने के साथ ही कम शोर करती है। उन्होंने बताया कि स्कूटी की दमदार बैटरी एक बार चार्ज होने पर मॉडल के अनुसार 60 से 150 किलोमीटर तक का सफर तय कर सकती है। इलेक्ट्रिक स्कूटी की कीमत 55 हजार रुपये से शुरू होकर 85 हजार रुपये तक है। अलग-अलग मॉडलों में आकर्षक डिजाइन उपलब्ध हैं, जिन्हें छात्र-छात्राएं भी आसानी से खरीद सकते हैं। संचालकों के अनुसार ग्राहकों की सुविधा के लिए स्कूटी डाउन पेमेंट के साथ आसान किस्तों पर भी उपलब्ध कराई जा रही है। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों ने शोरूम संचालकों को शुभकामनाएं दीं।

सरकारी काम के बदले रिश्वत या कमीशन मांगने वालों पर एंटी करप्शन की नजर, नागरिकों से बेझिझक शिकायत करने की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जनपद में सरकारी काम के बदले रिश्वत या कमीशन मांगने वाले अधिकारी-कर्मचारियों की अब खैर नहीं है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन यूनिट), जनपद बुलंदशहर (मेरठ मंडल) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान तेज करते हुए आमजन से रिश्वतखोरी की शिकायत तत्काल करने की अपील की है। संगठन ने नागरिकों की सुविधा के लिए कई अधिकारियों और कर्मचारियों के संपर्क नंबर भी जारी किए हैं। भ्रष्टाचार निवारण संगठन की ओर से कहा गया है कि यदि किसी सरकारी विभाग का अधिकारी या कर्मचारी किसी जायज सरकारी कार्य को करने के एवज में रिश्वत या कमीशन की मांग करता है तो नागरिक बिना किसी भय के इसकी सूचना एंटी करप्शन यूनिट को दे सकते हैं। शिकायत मिलने के बाद नियमानुसार मामले की जांच और

आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। एंटी करप्शन यूनिट की इकाई रिजर्व पुलिस लाइंस, बुलंदशहर में स्थित है। नागरिक रिश्वत मांगने वाले अधिकारी या कर्मचारी के संबंध में जानकारी देने के लिए मु०आ० कृष्णपाल सिंह के मोबाइल नंबर 8445003973, आ० सादिक अली के 8178287150, आ० विकास गुप्ता के 7503178702, आ० जितेन्द्र सिंह के 9140116825 तथा आ० अतुल पंवार के 8755039712 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क के लिए प्रभारी निरीक्षक एसीओ मेरठ के मोबाइल नंबर 9454401899, पुलिस उपाधीक्षक मेरठ के 9454405473 तथा मुख्यालय स्तर का सीयूजी नंबर 9454402484 जारी किया गया है। संगठन ने आमजन से अपील की है कि सरकारी काम के बदले रिश्वत मांगने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के दबाव में न आएं और इसकी सूचना तत्काल एंटी करप्शन यूनिट को दें। संगठन का उद्देश्य सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाना और आम नागरिकों को बिना किसी अनावश्यक परेशानी के उनका जायज कार्य उपलब्ध कराना है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन ने नागरिकों से 'भ्रष्टाचार मुक्त बुलंदशहर' अभियान में सहयोग करने का आह्वान किया है। संगठन का कहना है कि रिश्वतखोरी से संबंधित मामलों की जानकारी सामने आने से सरकारी व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने में मदद मिलेगी। एंटी करप्शन यूनिट ने स्पष्ट किया है कि सरकारी काम के लिए रिश्वत या कमीशन मांगने वालों के खिलाफ शिकायत करने में नागरिक किसी तरह का भय न रखें। आमजन की जागरूकता और सहयोग से ही सरकारी व्यवस्था को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं।

बारावफात को लेकर पुलिस अलर्ट, सीओ रुदौली ने दिए सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश

वेलकम इंडिया/फतेह खान

रुदौली/अयोध्या। बारावफात त्योहार को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए रुदौली कोतवाली पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। रविवार को रुदौली कोतवाली परिसर में क्षेत्राधिकारी रुदौली के नेतृत्व में थाना के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बारावफात त्योहार के मद्देनजर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। क्षेत्राधिकारी ने सभी पुलिसकर्मियों को अपने-अपने ड्यूटी प्वाइंट पर पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहने तथा जुलूस और कार्यक्रम के दौरान सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। किसी भी तरह की अव्यवस्था अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। प्रभारी निरीक्षक रुदौली ने सभी पुलिसकर्मियों से अधिकारियों के निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए बारावफात पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने में अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की।

बुलंदशहर में रसोइयों को मिला बड़ा तोहफा, मानदेय बढ़कर हुआ ₹3 हजार

वेलकम इंडिया/डीके निगम

बुलंदशहर। प्रधानमंत्री पोषण योजना के अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों के सम्मान एवं कल्याण के लिए रविवार को जिला पंचायत सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया, जिसे जिले के रसोइयों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने देखा और मुख्यमंत्री का संबोधन सुना।

मुख्यमंत्री द्वारा रसोइयों के लिए चार महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। इनमें मानदेय में बढ़ोतरी, प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक की मुफ्त कैशलेस चिकित्सा सुविधा, बीमा कवर तथा ड्रेस के लिए मिलने वाली धनराशि में बढ़ोतरी शामिल है। अब रसोइयों का मानदेय 2 हजार रुपये से बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। वहीं परिधान के लिए मिलने वाली राशि 500 रुपये से बढ़ाकर 1 हजार रुपये कर दी गई है।

जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में खुर्जा विधायक मीनाक्षी सिंह, सिकंदराबाद विधायक लक्ष्मीराज सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष दीप्ति मित्तल, जिलाधिकारी कुमार हर्ष, मुख्य विकास अधिकारी निशा ग्रेवाल सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। अतिथियों ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुपोषण को सुनिश्चित करने में रसोइयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने रसोइयों से प्रधानमंत्री पोषण योजना के उद्देश्यों को पूरी निष्ठा से धरातल पर उतारने और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने का आह्वान किया। कार्यक्रम में चयनित रसोइयों को बढ़े हुए मानदेय के प्रतीकात्मक चेक वितरित कर सम्मानित किया गया। बढ़ा हुआ मानदेय सितंबर 2026 से लागू होगा, जिसका भुगतान अक्टूबर 2026 में किया जाएगा। इसके साथ ही रसोइयों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा कार्ड का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र सिंह, सभी खंड शिक्षा अधिकारी, शिक्षक एवं विभागीय कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में रसोइया बहनें उपस्थित रहीं।

बाबूजी कल्याण सिंह की स्मृति में हवन-यज्ञ में शामिल हुए पूर्व सांसद राजवीर सिंह

वेलकम इंडिया संवाददाता

नरौरा/रामघाट। हिंदू हृदय सम्राट एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बाबूजी कल्याण सिंह के स्मृति स्थल बच्चा पार्क, गंगा किनारे नरौरा में आयोजित हवन-यज्ञ एवं पूजन कार्यक्रम में एटा के पूर्व भाजपा सांसद राजवीर सिंह उर्फ राजू भैया अपनी पत्नी पूर्व भाजपा विधायक प्रेमलता वर्मा, अतरौली तथा पुत्री के साथ शामिल हुए। पूर्व सांसद राजवीर सिंह ने हवन-यज्ञ में आहुति देकर बाबूजी कल्याण सिंह के चरणों में पुष्प अर्पित किए और उन्हें शत-शत नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने पूर्व सांसद राजवीर सिंह का पटका पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं भाजपा नेता सत्यवीर सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। सत्यवीर सिंह यादव ने भी हवन-यज्ञ में सम्मिलित होकर बाबूजी के चरणों में पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता अजब सिंह राजपूत, अजीत सिंह राजपूत एडवोकेट, मेघ सिंह राजपूत एडवोकेट, अंकुर लोधी, कोमल सिंघल, राहुल वर्मा, परमानंद निषाद, कप्तान सिंह सूर्यवंशी, प्रभा वर्मा, सुनीता अग्रवाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार बुलंदशहर पहुंचे डॉ. भोला सिंह

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री बनाए जाने के बाद स्थानीय सांसद डॉ. भोला सिंह के प्रथम बार जनपद आगमन पर भाजपा कार्यकताओं ने जिला अध्यक्ष विकास चौहान के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया। दिल्ली रोड स्थित अभिनंदन वाटर पार्क पर बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों, पुष्पमालाओं और नारों के साथ उनका अभिनंदन किया।

इसके बाद निकाले गए रोड शो में भूड़ चौराहे पर चौधरी चरण सिंह तथा कल्याण सिंह चौराहे पर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर व्यापारियों, नागरिकों एवं कार्यकताओं ने पुष्पवर्षा कर सांसद का स्वागत किया। डीएम कॉलोनी स्थित ग्रीन इंडिया होटल में आयोजित स्वागत समारोह में डॉ. भोला सिंह ने केंद्रीय नेतृत्व और कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि राष्ट्रीय मंत्री का दायित्व उनके लिए पद नहीं, बल्कि संगठन और राष्ट्र की सेवा का अवसर

है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं का स्नेह और विश्वास उन्हें नई ऊर्जा देता है। भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने कहा कि डॉ. भोला सिंह का राष्ट्रीय मंत्री बनना पूरे बुलंदशहर के लिए गौरव की बात है। इससे जिले के कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है और संगठन को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अंतुल तेवतिया, विधायक मीनाक्षी सिंह, विधायक लक्ष्मी राज सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष दीप्ति मित्तल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, व्यापारी नेता एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

स्वामी विवेकानंद सनातन ज्ञान केंद्र का भूमि पूजन व शिलान्यास संपन्न

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भारत विकास परिषद सत्यम शाखा द्वारा स्वामी विवेकानंद सनातन ज्ञान केंद्र के निर्माण की प्रक्रिया के प्रथम चरण के तहत भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र सिंह तथा विशिष्ट अतिथि कैंटोनमेंट बोर्ड के मुख्य अधिशासी अधिकारी विशाल सारस्वत रहे। इस अवसर पर भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय पदाधिकारी सुदीप टंडन, अजीत मेहरोत्रा, प्रांतीय अध्यक्ष हरीश वालियां, प्रांतीय महासचिव सचिन अग्रवाल, ब्रह्मानंद पेशवानी, प्रमोद राम त्रिपाठी, रवि प्रकाश जायसवाल, विष्णु सेठ, नामित पारिख, शाखा संरक्षक अशोक अग्रवाल सहित परिषद के सदस्य एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। परियोजना संयोजक

संजीव कपूर ने स्वामी विवेकानंद सनातन ज्ञान केंद्र की परियोजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र में स्वामी विवेकानंद के विचारों और जीवन दर्शन से संबंधित पुस्तकालय की स्थापना की जाएगी। इसके माध्यम से काशीवासियों के साथ-साथ देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को भी स्वामी विवेकानंद के विचारों और सनातन संस्कृति को समझने का अवसर मिलेगा। विशिष्ट अतिथि विशाल सारस्वत ने परियोजना की सफलता के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए छावनी परिषद की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में अजीत मेहरोत्रा ने बताया कि करीब 29 वर्ष पूर्व शाखा के वरिष्ठ सदस्यों के प्रयास से स्वामी विवेकानंद पार्क का निर्माण कराया गया था और महाराष्ट्र से स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा लाकर वहां स्थापित की गई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नामांकन जुलूस की शुरूआत भी पहली बार स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण और शंखनाद के साथ हुई थी। उन्होंने कहा कि सभी का प्रयास है कि 12 जनवरी 2027 को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर सनातन ज्ञान केंद्र एवं पुस्तकालय का उद्घाटन किया जा सके।

मुख्य अतिथि धर्मेंद्र सिंह ने भारत विकास परिषद सत्यम शाखा के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों, जीवन दर्शन, सनातन संस्कृति की महान ज्ञान परंपरा और काशी के इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने की यह पहल महत्वपूर्ण है। उन्होंने परियोजना में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि काशी ज्ञान की नगरी है और इस ज्ञान केंद्र के माध्यम से लोगों को स्वामी विवेकानंद के विचारों तथा सनातन संस्कृति से जुड़कर राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत शाखा अध्यक्ष अमित जैन ने किया। मुख्य अतिथि का परिचय वीरेंद्र मालू ने दिया। धन्यवाद परियोजना सचिव राजेश सिंह ने ज्ञापित किया।

एसडीएम ने चीनी के स्टॉक और बिक्री व्यवस्था की पांच दुकानों की जांच की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शासन के निर्देश पर रविवार को मोदीनगर में चीनी के स्टॉक और बिक्री व्यवस्था की जांच की गई। उपजिलाधिकारी मोदीनगर कोमल पंवार एवं मार्केटिंग इंस्पेक्टर जेपी यादव ने संयुक्त रूप से भगवान गंज मंडी और मोदी मंदिर के सामने स्थित पांच चीनी डीलरों के प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर स्टॉक का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने डीलरों को चीनी के भंडारण, खरीद-बिक्री और स्टॉक की ऑनलाइन घोषणा को लेकर शासन के निर्देशों की जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग की ओर से 29 जुलाई 2026 को जारी आदेश तथा उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य एवं रसद विभाग के 5 अगस्त 2026 के शासनादेश के तहत चीनी डीलरों के लिए भंडारण की अधिकतम सीमा 4000 क्विंटल निर्धारित की गई है। सभी डीलरों को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित सीमा का पालन करें। इसके साथ ही 1 अगस्त से 30 नवंबर 2026 तक नियमित रूप से फूड स्टॉक मैनेजमेंट सिस्टम पर चीनी की उपलब्धता, भंडारण क्षमता तथा खरीद-बिक्री से संबंधित अद्यतन जानकारी दर्ज करनी होगी। अधिकारियों द्वारा प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को ऑनलाइन स्टॉक की समीक्षा की जाएगी।मोदीनगर तहसील क्षेत्र में कुल छह चीनी डीलर हैं, जबकि दो डीलर मुरादनगर क्षेत्र में संचालित हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सभी डीलरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि चीनी की उपलब्धता पर्याप्त है, इसलिए किसी भी प्रकार की कालाबाजारी, जमाखोरी या अनियमित बिक्री की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान दो दुकानों पर जीएसटी बिल की नियमित फीडिंग नहीं किए जाने की बात सामने आई। इस पर एसडीएम ने मार्केटिंग इंस्पेक्टर को संबंधित डीलरों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने सभी डीलरों से स्टॉक और बिक्री का रिकॉर्ड दुरुस्त रखने तथा शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा।

भाजपा कार्यकताओं ने भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का किया भव्य स्वागत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मेरठ से दिल्ली जाते समय बस स्टैंड के निकट भाजपा कार्यकताओं ने भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र चौधरी का प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य देवेंद्र चौधरी डायमंड के नेतृत्व में फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष में कार्यकताओं से पार्टी की नीति एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

स्वागत करने वालों में भाजपा विधायक डॉ मंजू सिवाच किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य देवेंद्र चौधरी डायमंड, पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल, भाजपा नगर अध्यक्ष आकाश शर्मा,भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमित चौधरी, महामंत्री देवेंद्र चौधरी,गन्ना समिति के अध्यक्ष राजन चौधरी, दीपक वत्स, विजय मलिक, सभासद नवीन जायसवाल, मुकेश चौहान, तीशा गोस्वामी, संजय चौधरी धर्मेंद्र चौधरी धर्मेंद्र शर्मा सत्येंद्र चौधरी अमित नागर सतीश भाटी दीपक चौधरी शिव ओम कौशिक आदि कार्यकर्ता थे।

किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी देवेंद्र सिंह का नीरज त्यागी के नेतृत्व में हुआ जोरदार स्वागत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नवनियुक्त भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी देवेंद्र सिंह का राज चौपला मोदीनगर पर जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा नीरज त्यागी के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया। पुष्प वर्षा, बुके, शॉल पगड़ी पहनाकर जिलाध्यक्ष नीरज त्यागी, कार्यक्रम संयोजक जिला मंत्री संजय त्यागी, विधायक डॉ मंजु सिवाच, निवाड़ी चेयरमैन अनिल त्यागी, पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल, मंडल अध्यक्ष सचिन त्यागी, अरुण त्यागी, प्रदीप बोस, साधना शर्मा, गीता कौशिक आदि सैंकडों कार्यकताओं ने बड़े जोश के साथ स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष के साथ दर्जनों गाड़ियों का काफिला जब राज चोपला पर रुका तो पूरा वातावरण भारतीय जनता पार्टी के नारों से गूंज उठा। जिलाध्यक्ष नीरज त्यागी ने मिठाई खिलाकर प्रदेश अध्यक्ष को बधाई और शुभकामनायें दी।

मुरादनगर ब्लॉक में वित्तीय साक्षरता कैंप का आयोजन

साइबर फ्रॉड से बचाव और सरकारी बीमा योजनाओं पर दिया जोर

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुरादनगर में वित्तीय साक्षरता एवं समावेशन कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्राम मोहम्मदपुर देवधा के ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिसमें 102 महिलाओं सहित कुल 125 प्रतिभागियों ने वित्तीय व बैंकिंग सेवाओं की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक (के एलडीओ ऋषभ सक्सेना, नाबार्ड से डीडीएम श्रीमती अलका, एलडीएम बुधराम, मुरादनगर ब्लॉक के बीडीओ जितेंद्र कुमार एवं एडीओ जाकिर अली उपस्थित रहे।

इसके साथ ही महिला उन्नति प्रशिक्षण संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश शर्मा, केनरा बैंक के शाखा प्रबंधक निर्मल किशोर पाण्डेय, एफएलसी श्री कमाल सैफी एवं सीएफएल सेंटर के वित्तीय परामर्शदाता रविन्द्र नागर, भारद्वाज कुँअर व शुभम त्यागी भी मौजूद रहे। शिविर के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने ग्रामीणों को सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग, ओटीपी/पिन सुरक्षा और विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड से बचाव के महत्वपूर्ण तौर-तरीकों से अवगत कराया। साथ ही केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं– प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना , प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना के लाभ समझाते हुए पात्र ग्रामीणों को इनसे जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय, विशेषकर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त, जागरूक और सुरक्षित बनाना रहा।

प्रथम रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में छाया पब्लिक स्कूल गोविंदपुरी का शानदार प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। गाज़ियाबाद केजे.एस.आर. प्रोफेशनल ट्रैक पर आयोजित प्रथम रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में छाया पब्लिक स्कूल गोविंदपुरी के बच्चों ने प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा कायम रखा। अपने वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर अंशिका ने छाया पब्लिक स्कूल एवं रोलर स्केटिंग एकेडमी का नाम रोशन किया। वहीं मानवी त्यागी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया। इसके साथ ही मानिक गोयल, आशी एवं मानवी शर्मा ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस शानदार उपलब्धि पर रोलर स्केटिंग संचालक व कोच जितेंद्र पांडे ने सभी बच्चों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। बच्चों की मेहनत ही उनकी सफलता की पहचान है।

मेवाड़ में प्रतिभाओं का जलवा, 721 विद्यार्थियों ने बिखेरा हुनर; मनमोहक नृत्यों ने बांधा समां

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में आयोजित 'प्रतिभा-2026' के तहत 19वें प्रतिभा प्रोत्साहन पुरस्कार समारोह का रंगारंग समापन हुआ। क्रांतिकारी बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद को समर्पित इस समारोह में दिल्ली-एनसीआर के 33 स्कूलों के कुल 721 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। अंतिम दिन विद्यार्थियों की मनमोहक नृत्य और गायन प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम की शुरूआत मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया और निदेशक डॉ. अलका अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर की। इस अवसर पर भातखंडे संगीत महाविद्यालय गाजियाबाद के सुविख्यात संगीतज्ञ हरिदत्त गौतम तथा प्रतियोगिताओं की निर्णायक सुप्रसिद्ध कवयित्री डॉ. तारा गुप्ता और निवेदिता शर्मा को शॉल एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में अंतिम दिन सामान्य ज्ञान, निबंध, एकल गायन, समूह गायन, एकल नृत्य और समूह नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। निबंध प्रतियोगिता का विषय 'आज के युवाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव' रखा गया, जबकि एकल और समूह नृत्य प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने 'देशभक्ति' और 'भक्ति' विषयों पर प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया। चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि 'प्रतिभा-2026' में दिल्ली-एनसीआर के 33 स्कूलों के 721 बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि पिछले 19 वर्षों में मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस कुल 35,492 विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान कर चुका है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा प्रोत्साहन समारोह का उद्देश्य स्कूलों में छिपी प्रतिभाओं को सामने लाकर उन्हें आगे बढऩे का अवसर देना है। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को मंच देने के साथ उनमें देशभक्ति, सामाजिक संवेदनशीलता और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी जरूरी है। ऐसे प्रयासों से युवा पीढ़ी को देश और समाज की मुख्यधारा से जोडऩे में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रतिभा प्रोत्साहन पुरस्कार समारोह का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। समापन अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियों ने समारोह में चार चांद लगा दिए और विद्यार्थियों ने अपनी कला से दर्शकों को खूब प्रभावित किया। एकल गायनः प्रथम स्थान खनक, दयानंद विद्यापीठ; द्वितीय तनिष्क, गीता संजय मेमोरियल पब्लिक स्कूल; तृतीय कुमकुम, सुशीला गर्ल्स इंटर कॉलेज।

साईं की मूर्ति खंडित होने के चलते लोगों में रोष, असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। बेगमाबाद स्थित बाड़ा शिव मंदिर में साईं की मूर्ति खंडित होने के चलते ग्रामीण व मंदिर समिति के लोगों ने थाने पहुंचकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की। मूर्ति खंडित होने के चलते लोगों में रोष है। मंदिर समिति व गांव के लोगों ने इसे शांति व्यवस्था प्रभावित करने के मकसद से असामाजिक तत्वों की हरकत बताया है।

रविवार को लोगों ने थाने पहुंचकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की। बेगमाबाद में कस्बा रोड पर बाड़ा शिव मंदिर है। यदि पर साईं मंदिर भी है, जिसका संचालन शिरड़ी साईं सेवा समिति के पदाधिकारी करते हैं। तीन दिन पहले रात के समय साईं की अंगुली वाले हिस्से को खंडित किया गया था।

समिति के प्रबंधक सुधीर मित्तल की तरफ से थाने में शिकायत दी गई। अब शनिवार रात को आरोपी गेट का ताला तोड़कर मंदिर में आए और साईं की मूति को पूरी तरह खंड़ित कर दिया।

सूचना पर ग्रामीण व मंदिर समिति के लोग इकट्ठा होकर मोदीनगर थाने पहुंचे और पुलिस को पूरे प्रकरण से अवगत कराया। घटना को लेकर रोष जाहिर किया। एसीपी मोदीनगर भाष्कर वर्मा का कहना है कि पुलिस छानबीन में जुटी है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हरनंदी तट पर गूंजा 'नहीं रुकेंगे, स्वच्छ करेंगे' का संकल्प, आरती के साथ चला स्वच्छता अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। 'नहीं रुकेंगे, स्वच्छ करेंगे' के संकल्प के साथ रविवार शाम गजप्रस्थ-गाजियाबाद स्थित हरनंदी (हिंडन) नदी के तट पर नमामि गंगे गंगा विचार मंच की ओर से स्वच्छता अभियान और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शाम छह बजे से सात बजे तक चले अभियान में संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने नदी तट की सफाई कर लोगों को हरनंदी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त रखने के लिए जागरूक किया। इसके बाद नदी तट पर आरती का आयोजन कर स्वच्छता और नदी संरक्षण का संकल्प दोहराया गया।

नमामि गंगे के प्रदेश मीडिया संयोजक संदीप त्यागी रसम ने अभियान के दौरान लोगों को मां गंगा और सहायक नदियों की स्वच्छता से संबंधित सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नदियों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी केवल सरकारी विभागों की नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भी है।

आम लोगों की भागीदारी से ही नदी तटों को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान 'हरनंदी के द्वार' अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। संगठन की ओर से प्रत्येक रविवार शाम छह बजे हरनंदी तट पर स्वच्छता अभियान और आरती आयोजित करने की घोषणा को अब नियमित रूप से कार्यरूप दिया जा रहा है।

इसी क्रम में रविवार को छठ घाट पर पदाधिकारियों और सदस्यों ने सफाई अभियान चलाया और नदी की स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया। अभियान में लोगों से नदी में कूड़ा-कचरा न डालने, तट को साफ रखने और आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने की अपील की गई। आयोजकों ने कहा कि हरनंदी की स्वच्छता के लिए लगातार जनभागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि नदी तट को स्वच्छ और बेहतर बनाया जा सके।

इस अवसर पर नमामि गंगे के प्रदेश मीडिया संयोजक संदीप त्यागी रसम, जिला सहसंयोजक चेतना मित्तल, सहसंयोजक मनोज कुमार, सहसंयोजक संजय शर्मा और ज्ञान सिंह (रिटायर्ड एसआई) समेत संगठन के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता के साथ नदी संरक्षण और जनजागरण को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

हाईटेक कॉलेज के पास कारोबारी से 24.85 लाख की लूट, तीन आरोपी हिरासत में

मेरठ से ही कारोबारी की गाड़ी का पीछा कर रहे थे आरोपी, पुलिस जल्द करेगी पूरे गिरोह का खुलासा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार शाम हाईटेक कॉलेज के पास थार सवार कारोबारियों से 24.85 लाख रुपये की लूट के मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए तीन मुख्य आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो और स्विफ्ट डिजायर कार भी बरामद कर ली है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी मेरठ से ही थार का पीछा कर रहे थे और मौका मिलते ही एक्सप्रेसवे पर गाड़ी रुकवाकर तमंचे के बल पर नकदी लूटकर फरार हो गए। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर लूट की रकम, वारदात में शामिल अन्य लोगों और पूरी साजिश के बारे में जानकारी जुटा रही है। जानकारी के अनुसार मेरठ के लोहिया नगर क्षेत्र निवासी नईमुद्दीन कचरा प्रोसेसिंग की यूनिट चलाते हैं। शुक्रवार शाम उनका बेटा गिलमान अपने चचेरे भाई समद और साथी सलीम के साथ थार गाड़ी से मेरठ से दिल्ली के जाफराबाद जा रहा था। उनके साथ करीब 24.85 लाख रुपये की नकदी थी। यह रकम दिल्ली निवासी उनके साझेदार गयूर को दी जानी थी। बताया गया कि जैसे ही थार दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर वेव सिटी थाना क्षेत्र में हाईटेक कॉलेज के पास पहुंची, पीछे से आ रही स्कॉर्पियो ने उनकी गाड़ी का पीछा करते हुए उसे ओवरटेक किया और आगे अपनी गाड़ी लगा दी। आरोपियों ने थार सवार लोगों को एक लड़की को भगाकर गाड़ी में छिपाने का आरोप लगाते हुए डराया-धमकाया और गाड़ी रुकवा ली। इसके बाद स्कॉर्पियो से उतरे बदमाशों ने तमंचे के बल पर थार में रखी नकदी अपने कब्जे में ले ली। अचानक हुई इस वारदात से कारोबारी और उसके साथी घबरा गए। बदमाश वारदात को अंजाम देने के बाद तेजी से दिल्ली की ओर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ितों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही वेव सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। पुलिस ने मेरठ से लेकर घटनास्थल और दिल्ली की ओर जाने वाले मार्ग पर लगे कैमरों की फुटेज को खंगाला। जांच के दौरान पुलिस को अहम सुराग मिले और पता चला कि एक स्कॉर्पियो के साथ एक संदिग्ध स्विफ्ट डिजायर कार भी थार का पीछा कर रही थी। सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस के आधार पर पुलिस ने दोनों संदिग्ध वाहनों की पहचान कर उनका पता लगाया। इसके बाद पुलिस टीमों ने दबिश देकर वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो और स्विफ्ट डिजायर को बरामद कर लिया। पुलिस ने मामले में शामिल तीन मुख्य आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इसके अलावा कुछ अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया गया है, जिनसे पुलिस घटना में उनकी भूमिका और लूट की रकम के संबंध में जानकारी जुटा रही है। सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं।

त्योहारों को लेकर एसीपी ने पुलिस अधिकारियों के साथ की बैठक

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। आने वाले त्योहारों को लेकर एसीपी भास्कर वर्मा ने कोतवाली में पुलिस अधिकारियों के साथ एक बैठक की और त्यौहार शांतिपूर्ण संपन्न हो इसके लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा द्वारा कोतवाली मोदीनगर में पुलिस अधिकारियों के साथ आने वाले त्योहारों के मद्देनजर बैठक कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। क्षेत्रवासियों को त्योहारों की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित मांझे की बिक्री व इस्तेमाल करने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

रसोइयों को मिला सम्मान, मानदेय बढ़ने से खिले चेहरे

पीएम पोषण योजना के तहत सम्मान समारोह, कैशलेस चिकित्सा कार्ड भी बांटे

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों के सम्मान एवं एमएम कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन स्थित दुर्गावती सभागार में किया गया। इस दौरान लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि स्कूलों में बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने में रसोइयों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार उनके हितों और सामाजिक सुरक्षा के लिए लगातार कदम उठा रही है। रसोइयों का मासिक मानदेय 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये किए जाने की घोषणा से समारोह में खुशी का माहौल रहा। रसोइयों को एमएम कैशलेस चिकित्सा कार्ड भी वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. यादव सहित कई अधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। भोजपुर और लोनी तहसील में भी जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में रसोइयों का सम्मान किया गया।

त्योहारों पर पुलिस का कड़ा पहरा, सुरक्षा में जरा भी लापरवाही नहीं

- बारावफात, रक्षाबंधन और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को किया अलर्ट

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी बारावफात, रक्षाबंधन एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सभी पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात अधिकारी और थाना प्रभारी शामिल रहे।

पुलिस आयुक्त ने सभी थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों के संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए। धार्मिक स्थलों, प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और महत्वपूर्ण चौराहों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ पैदल गश्त, फुट पेट्रोलिंग और संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की सघन चेकिंग बढ़ाने पर जोर दिया गया।

बारावफात के मद्देनजर गोकशी की घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं, धर्मगुरुओं, गणमान्य नागरिकों और पीस कमेटी के सदस्यों से संवाद कर भाईचारा बनाए रखने को कहा गया।

जुलूसों और धार्मिक आयोजनों के लिए आयोजकों से समन्वय, निर्धारित मार्ग व समय का पालन तथा बिना अनुमति आयोजनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। महिला सुरक्षा के लिए एंटी-रोमियो और महिला सुरक्षा टीमों को सक्रिय रखा जाएगा। पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहे टप्पेबाज गिरोह के दो बदमाश मुठभेड़ में घायल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। नगर जोन की स्वाट टीम, सर्विलांस टीम और थाना सिहानी गेट पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए टप्पेबाजी की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह के दो बदमाशों को पुलिस मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, तीन जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, ठगी कर लिए गए पीली धातु के कुंडलों की एक जोड़ी और वारदात में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक ऑटो बरामद किया है।

पुलिस महिंद्रा तिराहे के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि 15 अगस्त से पहले बस अड्डे पर एक महिला को बहला-फुसलाकर उसके कानों के कुंडल उतरवाने वाले चार बदमाश ऑटो से लोहियानगर की ओर आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की।

पुलिस को देखते ही चारों बदमाश भागने लगे। पीछा करने पर उनका ऑटो हमदर्द ग्राउंड में फंस गया। आरोप है कि बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जबकि दो अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ट्रॉनिका सिटी निवासी सादिक उर्फ शबीर और सालाबाद निवासी पवन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सादिक के खिलाफ चोरी, लूट व अन्य मामलों में पूर्व से कई मुकदमे दर्ज हैं। फरार बदमाशों की तलाश में पुलिस टीम जुटी है।

इलेक्ट्रॉनिक चिप और रिमोट से धर्मकांटे में खेल, 41.78 टन सरिया चोरी का भंडाफोड़; चार गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट पुलिस की अपराध शाखा, स्वाट टीम और थाना कविनगर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कंप्यूटरीकृत धर्मकांटे में इलेक्ट्रॉनिक चिप लगाकर रिमोट के जरिए सरिया चोरी करने वाले गिरोह के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के 41,780 किलोग्राम सरिया और उसे ढोने में इस्तेमाल किया जा रहा ट्रक नंबर NL01AH7968 बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार 23 अगस्त को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि सरिया मूल रूप से बागपत स्थित नेथली में उतारा जाना था, लेकिन गिरोह इसे उद्योग कुंज स्थित धर्मकांटे के पास बने गोदाम में चोरी-छिपे उतारता था।

आरोप है कि इलेक्ट्रॉनिक चिप और रिमोट की मदद से धर्मकांटे में हेराफेरी कर सरिये की चोरी की जाती थी। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि राजकुमार उर्फ राजू, आफताब और लोकेश शर्मा उर्फ दिवाकर के कहने पर चोरी का माल गोदाम में उतारा जाता था, जिसके बाद दूसरी गाड़ी से उसे ठिकानों तक पहुंचाया जाता था। गिरोह के अन्य सदस्यों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

फोटोग्राफर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने मनाया विश्व फोटोग्राफी दिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर फोटोग्राफर्स वेलफेयर एसोसिएशन गाजियाबाद की ओर से कविनगर रामलीला मैदान स्थित जानकी भवन में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गाजियाबाद, साहिबाबाद, मेरठ और आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों फोटोग्राफर शामिल हुए। इस दौरान फोटोग्राफी के बदलते स्वरूप, आधुनिक तकनीक और रचनात्मकता पर चर्चा के साथ संगठन की ओर से फोटोग्राफर सदस्यों के लिए 10 लाख रुपये तक के निशुल्क दुर्घटना बीमा की बड़ी घोषणा की गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कैनन कंपनी की ओर से आयोजित कार्यशाला रही। विश्व विख्यात सिनेमैटिक और कैंडिड फोटोग्राफी के विशेषज्ञ सनी शर्मा ने फोटोग्राफरों के साथ अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने आधुनिक कैमरा तकनीक, फोटोग्राफी की नई शैली, रचनात्मक सोच और बेहतर तस्वीरों के लिए जरूरी बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उनके अनुभव और प्रेरणादायक विचारों से मौजूद फोटोग्राफरों को नई तकनीक सीखने और अपने काम को बेहतर बनाने की प्रेरणा मिली। कार्यक्रम में अर्पित एल्बम की टीम ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता की। फोटोग्राफी के क्षेत्र से जुड़े विभिन्न लोगों ने एक-दूसरे के अनुभव साझा किए और बदलते दौर में नई तकनीक के साथ कदमताल करने पर जोर दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन कुंजन शर्मा ने आकर्षक अंदाज में किया। उनके संचालन के चलते कार्यक्रम के अंत तक फोटोग्राफरों में उत्साह बना रहा। इस अवसर पर एसोसिएशन के संस्थापक राजकुमार, विनोद शर्मा, प्रदीप भारती, निरंजन शर्मा और जिलाध्यक्ष नीरज कुमार सुधीर भारद्वाज ने संगठन की ओर से अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने फोटोग्राफरों को संगठन से जुड़ने के फायदे बताते हुए एकजुट होकर अपने हितों के लिए काम करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि फोटोग्राफी केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और समय की महत्वपूर्ण घटनाओं को कैमरे में सुरक्षित रखने की कला भी है। कार्यक्रम के दौरान एसोसिएशन की ओर से फोटोग्राफरों के लिए महत्वपूर्ण घोषणा की गई। संगठन ने बताया कि वार्षिक सदस्यता शुल्क में ही सभी फोटोग्राफर सदस्यों को 10 लाख रुपये तक का निशुल्क दुर्घटना बीमा उपलब्ध कराया जाएगा। घोषणा के बाद कार्यक्रम में मौजूद फोटोग्राफरों में खुशी की लहर दौड़ गई। सदस्यों ने इस पहल को फोटोग्राफर समुदाय के हित में महत्वपूर्ण कदम बताया।

दनकौर के पहलवानों को मिलेगा नया अखाड़ा, जयंत चौधरी ने परखी इंडोर स्टेडियम की रफ्तार

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी रविवार को ग्रेटर नोएडा पहुंचे। उन्होंने दनकौर स्थित किसान आदर्श इंटर कॉलेज में सांसद निधि से करीब 2 करोड़ 83 लाख रुपये की लागत से बन रहे आधुनिक इंडोर कुश्ती स्टेडियम का निरीक्षण किया। जयंत चौधरी ने निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया तथा संबंधित लोगों को कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान स्थानीय लोगों और कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस यह इंडोर कुश्ती स्टेडियम क्षेत्र के युवाओं और उभरते पहलवानों के लिए बड़ी सौगात माना जा रहा है। स्टेडियम तैयार होने के बाद खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और अभ्यास की सुविधाएं मिलेंगी, जिससे स्थानीय खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

बारिश भी नहीं रोक सकी जन्मदिन का उत्साह, क्षेत्रवासियों ने पुष्पमाला पहनाकर दी शुभकामनाएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कौशांबी के वरिष्ठ समाजसेवी एवं करवा के पूर्व अध्यक्ष नागेंद्र विजय वर्गीय का जन्मदिन रविवार को कौशांबी स्थित श्रीराम पार्क में पप्पू चौपाल के माध्यम से धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और उनके शुभचिंतक कार्यक्रम में पहुंचे और नागेंद्र विजय वर्गीय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान लोगों ने उनके स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम में पप्पू चौपाल से जुड़े लोगों की ओर से नागेंद्र विजय वर्गीय का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। बारिश के माहौल के बीच भी कार्यक्रम में लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ। क्षेत्रवासियों ने उनसे मुलाकात कर अपनी शुभकामनाएं दीं और समाज के लिए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। जन्मदिन समारोह के दौरान श्रीराम पार्क में काफी देर तक उत्सव का माहौल बना रहा। इस अवसर पर पूर्व पार्षद डॉ. मनोज गोयल ने नागेंद्र विजय वर्गीय के सामाजिक कार्यों और उनकी कार्यशैली की सराहना की। उन्होंने कहा कि नागेंद्र विजय वर्गीय अपने सरल, सहज और मिलनसार स्वभाव के कारण कौशांबी में अपनी अलग पहचान रखते हैं। लोगों से आत्मीयता के साथ जुड़ना और क्षेत्र की समस्याओं को लेकर सक्रिय रहना उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। यही वजह है कि उनके जन्मदिन के अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मौसम की प्रतिकूलता के बावजूद यहां पहुंचे। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कहा कि नागेंद्र विजय वर्गीय लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं और क्षेत्र के लोगों के बीच उनका व्यवहार हमेशा आत्मीय रहा है। उनके साथ जुड़े लोगों ने जन्मदिन के अवसर पर उनके सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा कि समाज में किसी व्यक्ति की पहचान केवल पद से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार और लोगों के साथ उसके संबंधों से बनती है।

मधुबन बापूधाम पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोरी की 11 बैटरियों समेत चार गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना मधुबन बापूधाम पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान बैटरी चोरी करने वाले गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से विभिन्न कंपनियों की 11 चोरी की बैटरियां, चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार, 2 हजार रुपये नकद, एक कार और फर्जी नंबर प्लेट बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त को रेलवे फाटक मननधाम मंदिर से एनडीआरएफ की ओर चेकिंग के दौरान राशिद, अमन, अरबाज और जावेद को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से पेंचकस, कटर, प्लास, पाना, कटी हुई वायरिंग, छह चाबियां सहित अन्य सामान बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि वारदात में आई-10 कार का इस्तेमाल किया जाता था और उस पर फर्जी नंबर प्लेट भी लगाई गई थी। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

तीज के रंग में रंगा जागृति भवन, पुलिस परिवार की महिलाओं ने बिखेरी संस्कृति की छटा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कविनगर रामलीला ग्राउंड स्थित जागृति भवन में वामा सारथी पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में हरियाली तीज उत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कमिश्नरेट गाजियाबाद की वामा सारथी अध्यक्षा श्रीमती प्राची चौधरी ने की। आयोजन में महिला पुलिस अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की धर्मपत्नियां तथा पुलिस परिवार की महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में पारंपरिक गीत-संगीत, नृत्य, मेहंदी प्रतियोगिता, फैशन शो और तीज से जुड़े पारंपरिक खेल आकर्षण का केंद्र रहे। मेहंदी प्रतियोगिता में श्रीमती सुम्मी प्रथम, श्रीमती पिंकी चौधरी द्वितीय और श्रीमती रेशमा तृतीय रहीं। वहीं तीज क्वीन प्रतियोगिता में श्रीमती सोमा विश्वास प्रथम, श्रीमती चंचल चौधरी द्वितीय और श्रीमती शीतल चौधरी तृतीय स्थान पर रहीं। आयोजन का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण के साथ पारंपरिक संस्कृति, आपसी सौहार्द और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना रहा।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर गाजियाबाद का कदम, मयंक गोयल ने लॉन्च की महिंद्रा बीई 6

वेलकम इंडिया संवाददाता

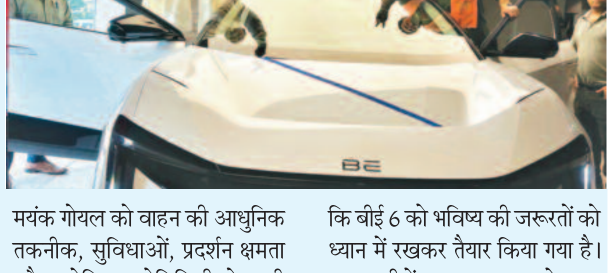

गाजियाबाद। स्वच्छ ऊर्जा, आत्मनिर्भर भारत और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में कदम बढ़ाते हुए रविवार को गाजियाबाद स्थित शिव महिंद्रा शोरूम में महिंद्रा की आधुनिक इलेक्ट्रिक एसयूवी बीई 6 को लॉन्च किया गया। भाजपा गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने वाहन का अनावरण किया। इस दौरान करण शर्मा समेत शोरूम के प्रतिनिधि और वाहन प्रेमी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान शोरूम मैनेजर सौरव खन्ना ने मयंक गोयल को वाहन की आधुनिक तकनीक, सुविधाओं, प्रदर्शन क्षमता और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से जुड़ी खूबियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीई 6 को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। वाहन की रेंज लगभग 500 से 600 किलोमीटर तक बताई गई है।